सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 238 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरूवार, 5 अक्टूबर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

जितना बड़ा संघर्ष होगा जीत उतनी शानदार होगी।
-निक व्युजेसिक

राष्ट्रवाद के राजनीतिक इस्तेमाल का विरोध... 7 | वाकई उत्तर प्रदेश से अलग होगा... 3 | जैसे ही दलित पूरी तरह कांग्रेस से... 2

संजय सिंह की गिरफ्तारी के खिलाफ आप का बड़ा जनांदोलन

आप का पूरे देश में धरना-प्रदर्शन

» दिल्ली पुलिस ने किया कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार
» विपक्ष बोला- जल्द ही जनता उखाड़ फेंकेगी तानाशाह सरकार
» आप को आरोपी बनाएगी ईडी, सुप्रीम कोर्ट को देगी जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में कथित शराब घोटाले में आम आदमी पार्टी के एक और बड़े नेता संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद राजधानी दिल्ली का सियासी पारा गरम है। संजय सिंह की गिरफ्तारी के विरोध में आम आदमी पार्टी का दिल्ली स्थित दफ्तर पर प्रदर्शन जारी है। दिल्ली के अलावा, मुंबई और पुणे में भी आप कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं। आप के विरोध प्रदर्शन पर स्पेशल सीपी लॉ एंड ऑर्डर का कहना है कि यह आम आदमी पार्टी का विरोध प्रदर्शन है। भीड़ धीरे-धीरे जमा हो रही है। पेशेवर तरीके से कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस यहां मौजूद है। हम आयोजकों के संपर्क में हैं। हम सुनिश्चित करेंगे कि कानून एवं व्यवस्था बनी रहे। हम प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने का प्रयास करेंगे। वहीं भाजपा ने भी जगह-जगह आप सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया है।

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद एक बड़ी जानकारी सामने आई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सूत्रों ने बताया है कि संजय सिंह दिल्ली शराब नीति बनाने में शामिल थे। इसके लिए उन्हें मोटा कमीशन मिला था। सूत्रों के मुताबिक, नए सबूत मिलने के बाद ईडी ने सीबीआई को चिट्ठी लिखी थी और इसकी जानकारी दी थी. संजय सिंह को ईडी ने बुधवार (4 अक्टूबर) को गिरफ्तार किया। सूत्रों ने बताया है कि प्रवर्तन निदेशालय दिल्ली शराब नीति घोटाले में आम आदमी पार्टी को आरोपी बनाने पर कानूनी विचार कर रही है, सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही कहा था कि जब कथित शराब घोटाले का पैसा पार्टी को मिला है, तो उसे आरोपी क्यों नहीं बनाया गया है, इसी बात को ध्यान में रखते हुए ईडी ने फैसला किया है कि वह जल्द ही आप को इस मामले में आरोपी बनाएगी, इसके बाद सुप्रीम कोर्ट को गुरुवार (5 अक्टूबर) को इसकी जानकारी दी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने एक दिन पहले ही ईडी से पूछा था कि वह ये बताए कि अगर आम आदमी पार्टी को कथित तौर पर शराब घोटाले से फायदा हुआ और उसे पैसा मिला है। फिर प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) मामले में आरोपी क्यों नहीं बनाया गया है। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस एसवी भट्टी की पीठ ने सीबीआई और ईडी की तरफ से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से अदालत में ये सवाल पूछा था।

सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई

आप नेता मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू हो चुकी है। वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी मनीष सिसोदिया का पक्ष रख रहे हैं। सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि आरोप बेबुनियाद हैं और इनसे साबित नहीं होता कि याचिकाकर्ता का इस धांधली से कोई संबंध है। आरोपी विजय नायर याचिकाकर्ता का सहयोगी नहीं है।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई का आज दूसरा दिन है। बुधवार को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पूछा था कि दिल्ली शराब नीति घोटाले में जब राजनीति पार्टी को फायदा मिलने की बात कही जा रही है तो फिर राजनीतिक पार्टी को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में आरोपी यों नहीं बनाया गया है? कोर्ट ने कहा कि इन्हें (मनीष सिसोदिया) में इससे कोई फायदा नहीं मिला है और यहां राजनीतिक पार्टी लाभार्थी है लेकिन पार्टी को अभी भी आरोपी नहीं बनाया गया है। आज ईडी इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट में जवाब देगी। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ इस मामले पर सुनवाई कर रही है। मनीष सिसोदिया ने दो याचिकाएं दाखिल की है, जिनमें दिल्ली हाईकोर्ट के जमानत ना देने के फैसले को चुनौती दी गई है। ईडी की तरफ से सुनवाई में एडिश्नल सॉलिसिटर जनरल पेश हुए।

95 प्रतिशत उन पर ही कार्रवाई जो सरकार के खिलाफ बोल रहें हैं : पायलट

आप सांसद संजय सिंह की गिरतारी पर कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि आंकड़ों को देखें तो पिछले 5-7 वर्षों में ईडी का जो तथाकथित एशन हुआ है वह 95 प्रतिशत उन लोगों पर हुआ है जो सरकार के खिलाफ रहे हैं। जब चुनाव से ठीक पहले ऐसी कार्रवाई होती है तो कई सवाल उठते हैं कि मंशा या है? उद्देश्य या है?... जो साा से जुड़े लोग हैं उनपर कभी कोई जांच, छापेमारी नहीं होती, उन्हें कोई नोटिस नहीं मिलता।

संजय सिंह की गिरतारी बहुत दुखद है : फारुख

नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष फारुख अदुल्ला ने कहा कि यह बहुत दुखद है। संजय सिंह सरकार के कई कृत्यों के खिलाफ संसद में काफी मुखर रहे हैं। वे लबे समय से सरकार की नजरों में थे योंकि वे एक प्रखर वता हैं। मुझे लगता है, आज उनकी गिरतारी चुनाव से पहले का शति प्रदर्शन है। मैं उनकी गिरतारी का विरोध करता हू, वे शराब घोटाले का मुय आदमी कैसे हो सकते हैं, अब रिपोर्ट आने पर देखा जाएगा। कब तक ऐसा होगा, यह एक लोकतांत्रिक देश है।

आपातकाल से बुरा हाल होगा : संजय राउत

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत आज दिल्ली में हैं,यहां उन्होंने संजय सिंह के घर जाकर परिवारजनों से मुलाकात की। राउत ने कहा, ये एक वार है, जो अरेस्ट हुए हैं वो वॉर के प्रिसर की तरह हैं जो उनके खिलाफ बोलेगा उनको जेल में डालेंगे, हम सब तैयार हैं, अपातकाल से ज्यादा बुरा हाल होगा, मैं उनके परिवार से मिलकर आया हुआ,हम पर जितना जोर होगा हम उतना मजबूत होंगे, ये सिर्फ टारगेट लोगों को टारगेट किया जा रहे है, हम भी गिरतार हुए हैं, हम लड़ते हैं लड़ते रहेंगे, सब झूठा आरोप है. मैं संजय सिंह को जानते हुं जब से वो राजनीति में नहीं थे. जहां जहां बीजेपी नहीं है वहां वहां रेड पड़ रही हैं।

ईडी नया प्रोपेगेंडा कर रही : आतिशी

दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा है कि अगर ईडी आप को आरोपी बनाने की तैयारी कर रही है। तो इसका मतलब हुआ कि 15 महीनों से जो जांच चल रही थी. उसके जरिए मनीष सिसोदिया या फिर किसी और के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिला है। आतिशी ने कहा कि कम से कम एक तो सुबूत वो देश के सामने रखे कि अगर कुछ मिला है तो वह लोग देख पाए, संजय सिंह के घर पर या मिला, कुछ नहीं मिल, एक तरह से ईडी एक नया प्रोपेगेंडा कर रही है।

जल्द आएगा मुयमंत्री केजरीवाल का नंबर : अनुराग ठाकुर

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल पर भी निशाना साधा और कहा कि जिन लोगों को केजरीवाल ने ईमानदारी का सर्टिफिकेट जारी किया, वे जेल में हैं। अनुराग ठाकुर ने आरोप लगाया कि केजरीवाल अगले नंबर पर हो सकते हैं। लोग अरविंद केजरीवाल पर हंस रहे हैं। उनके चेहरे पर तनाव देख सकते हैं। डिप्टी सीएम जेल में हैं, स्वास्थ्य मंत्री जेल में हैं, ये वे लोग हैं जो इंडिया अगेंस्ट करप्शन के नारे लगाकर सामने आए थे, लेकिन अब भ्रष्टाचार में शामिल हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि सरगना अभी भी बाहर है। उसका नंबर भी आएगा। जांच चल रही है। जिन लोगों को अरविंद केजरीवाल ने ईमानदारी का सर्टिफिकेट जारी किया था, वे सभी एक साल से जेल में हैं।

केजरीवाल भी जेल जाएंगे : प्रवेश सिंह

दिल्ली शराब नीति मामले में आप सांसद संजय सिंह की गिरतारी के बाद दिल्ली बीजेपी के नेता राजघाट पर प्रदर्शन कर रहे हैं। भाजपा सांसद प्रवेश साहिब सिंह कहते हैं कि यह गांधी जी का स्मारक है जिन्होंने हमेशा शराब का विरोध किया था। लेकिन अरविंद केजरीवाल ने बात नहीं मानी। मुझे लगता है कि गांधी जी की प्रेरणा और आशीर्वाद से यह हो रहा है। खुलासा हो रहा है और उनके (आप) नेता एक के बाद एक जेल जा रहे हैं। वह दिन दूर नहीं जब शराब नीति के मास्टरमाइंड अरविंद केजरीवाल भी जेल जाएंगे।

जैसे ही दलित पूरी तरह कांग्रेस से जुड़ेगा भाजपा सत्ता से होगी बाहर : अजय राय

» कांशीराम की पुण्यतिथि से कांग्रेस दलितों के घर-घर जाएगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिहार में जातीय जनगणना के आंकड़ें सामने आने के बाद कांग्रेस दलित वोटबैंक को साधने में जुट गई है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय कहते हैं कि जिस दिन दलित कांग्रेस के साथ पूरी तरह से आ गया, उसी दिन भाजपा केंद्र व राज्य की सत्ता से बाहर हो जाएगी। दलित गौरव संवाद के जरिये दलित वर्ग के लोगों को समझाया जाएगा कि कांग्रेस उनका पुराना घर है। उनकी सियासी हिस्सेदारी देने के लिए कांग्रेस हमेशा तैयार रही है। कांग्रेस इन वोटों के लिए कांशीराम की पुण्यतिथि पर नौ अक्टूबर से दलित गौरव संवाद कार्यक्रम शुरू करेगी।

इसके जरिये दलितों के बीच जनजागरण करेगी, उनकी बातों को सुनने के साथ ही एक लाख दलित अधिकार पत्र भी भरवाएगी। प्रदेश में 80 के दशक तक दलित वोटबैंक कांग्रेस के पाले में रहा। बसपा के उभार होते ही वह कांग्रेस से छिटक गया। नतीजतन कांग्रेस सत्ता से बेदखल हुई। उसके साथ जुड़ीं अन्य जातियां भी छिटक गईं। अब पार्टी नई रणनीति के साथ आगे बढ़ रही है। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि दलित वोटबैंक उसके साथ जुड़ा तो सियासी वैतरणी पार करना आसान हो जाएगा। यही वजह है कि वह भाजपा, सपा और बसपा से इतर नई रणनीति के साथ इस वोटबैंक को अपने पाले में करने की तैयारी में है। कांग्रेस बसपा संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि पर प्रदेश भर में समारोह आयोजित करेगी। इसमें कांशीराम को श्रद्धांजलि देने के साथ ही उनके संदेशों का प्रचार किया जाएगा। उसी दिन दलित गौरव संवाद कार्यक्रम भी शुरू किया जाएगा। यह संविधान दिवस यानी 26 नवंबर तक चलेगा। प्रयास होगा कि इस अभियान में डॉक्टरों, इंजीनियरों, शिक्षकों समेत अन्य प्रबुद्ध वर्ग के लोगों की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी हो।

लोगों को दलित गौरव संवाद से जोड़ेंगे

दलित गौरव संवाद की थीम स्वाभिमान के वास्ते, संविधान के रास्ते रखी गई है। इसके तहत हर विधानसभा क्षेत्र में दलित बस्तियों के बीच 10 रात्रि चौपाल में 500 दलित अधिकार पत्र भराए जाएंगे और 250 लोगों के मोबाइल नंबर जुटाए जाएंगे। 18 मंडल मुख्यालयों पर दलित गौरव यात्रा निकाली जाएगी। हर लोकसभा क्षेत्र में दलित एजेंडे पर सामूहिक चर्चा, कोर ग्रुप का गठन, राज्यस्तरीय लीडरशिप कार्यक्रम के तहत 80 लोगों का चयन, वालंटियर ट्रेनिंग और दलित कंट्रोल रूम का गठन किया जाएगा। पूरे प्रदेश में दो लाख दलित अधिकार पत्र भरवाया जाएगा और फिर एक लाख लोगों से महासंवाद कार्यक्रम होगा।

भाजपा करेगी दलित सम्मेलन

लखनऊ। भाजपा लोकसभा चुनाव से पहले क्षेत्रवार दलित जातियों को जोड़ने का अभियान चलाएगी। पहले चरण में अक्तूबर में सभी छह संगठनात्मक क्षेत्रों में अनुसूचित जाति सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। प्रदेश में लोकसभा की 17 सीटें आरक्षित हैं। इनमें से नगीना व लालगंज बसपा के पास हैं। बुलंदशहर, हाथरस, आगरा, शाहजहांपुर, हरदोई, मिश्रिख, मोहनलालगंज, इटावा, जालौन, कौशांबी, बाराबंकी, बहराइच, बासगांव, मछलीशहर और राबर्ट्सगंज भाजपा गठबंधन के पास है। वहीं, विधानसभा चुनाव 2022 में भाजपा गठबंधन ने अनुसूचित जाति के 86 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा था। इस तरह आरक्षित से ज्यादा सीटों पर दलितों को मौका दिया। इनमें से 63 उम्मीदवार चुनाव जीते थे। पार्टी का मानना है कि लोकसभा चुनाव में सभी 80 सीटें जीतने का लक्ष्य दलित वर्ग के 50 फीसदी वोट प्राप्त किए बिना हासिल नहीं किया जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक पार्टी का खास जोर बसपा के जाटव वोट बैंक में सेंध लगाने पर रहेगा। इसके लिए पार्टी के जाटव नेताओं व मंत्रियों को कमान सौंपी गई है। पश्चिम क्षेत्र में जाटव, धोबी और खटीक समाज को जोड़ने पर जोर रहेगा। अवध में पासी और कोरी समाज के घर-घर दस्तक दी जाएगी। बुंदेलखंड में कोरी व धोबी और पूर्वांचल में सोनकर, पासवान, पासी व जाटव समाज के लिए रणनीति बनाई है।

दोबारा अपने घर में वापसी कर रहा हूं : इमरान

» 7 अक्टूबर को होंगे कांग्रेस में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पश्चिम में अल्पसंख्यकों के बीच गहरी पैठ रखने वाले पूर्व विधायक इमरान मसूद एक बार फिर कांग्रेस का हाथ पकड़ने जा रहे हैं। वह सात अक्टूबर को अपने समर्थकों के साथ दिल्ली में कांग्रेस में शामिल हो जाएंगे। पूर्व विधायक का कहना है कि पहले से ही कांग्रेस में आस्था थी, अब दोबारा से अपने घर वापसी कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव में टिकट के सवाल पर उन्होंने कहा कि पार्टी हाईकमान के आदेश का पालन करेंगे। सहारनपुर लोकसभा सीट हो या फिर कैराना अथवा बिजनौर जहां से आदेश होगा, वहीं से मैदान में उतरेंगे। विधानसभा चुनाव 2022 से ठीक पहले

इमरान मसूद सपा में आए। उन्हें भरोसा था कि वह खुद के साथ ही अपने सहयोगियों को साइकिल पर सवार करते हुए सियासी मैदान में उतरेंगे, लेकिन निराशा हाथ लगी। सपा ने इमरान मसूद को भी टिकट नहीं दिया। चुनाव के बाद वह बसपा में चले गए। बसपा ने उनकी भाभी को मेयर का टिकट दिया, लेकिन हार गई। पिछले दिनों उन्होंने राहुल गांधी की तारीफ की तो बसपा ने पार्टी से निष्काषित कर दिया। अब वह फिर से कांग्रेस में घर वापसी कर रहे हैं।

बदल सकता है चुनावी समीकरण

इमरान मसूद की कांग्रेस में एंट्री के बाद लोकसभा चुनाव का समीकरण भी बदल सकता है। इमरान मसूद की मुस्लिम समाज के वोटरों में काफी अच्छी पकड़ है। कांग्रेस पहले से ही इंडिया गठबंधन में शामिल है। यदि इमरान को लोकसभा चुनाव का टिकट मिलता है तो वह मुस्लिम वोटरों को साधने में कामयाब हो सकते हैं। इमरान मसूद पहले भी तीन बार सहारनपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ चुके हैं। हालांकि उन्हें जीत नहीं मिल सकी थी, लेकिन हर बार चुनाव हिंदू-मुस्लिम हुआ। ऐसे में भाजपा और गठबंधन के बीच कांटे की टक्कर हो सकती है, जिसमें जीत-हार का अंतर बेहद कम रह सकता है।

मोहब्बत और नफरत के नाम पर मुसलमानों से हो रहा छल : मौलाना रशादी

» बोले- उसके लिए न तो एनडीए में जगह, न ही विपक्षी इंडिया में

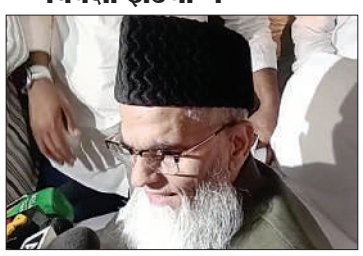

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय ओलमा काउंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना आमिर रशादी ने भाजपा और विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा के एनडीए में तो मुसलमानों के लिये जगह नही है, लेकिन क्या विपक्ष के इंडिया में भी मुसलमानों के लिये कोई जगह है? मौलाना ने कहा कि एक पार्टी मुसलमानों का डर दिखा कर अपनी नफरत की दुकान चला रही है, तो दूसरी मुसलमानों को डर दिखाकर अपनी मोहब्बत की दुकान चला रही है। मुसलमान दोनों दुकानों के बीच अपनी वजूद, पहचान, पहनावे और सम्मान को बचाने के लिये संघर्ष कर रहा है।

मौलाना रशादी पार्टी के 15वें स्थापना दिवस समारोह में संबोधित कर रहे थे।मौलाना रशादी ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने अपनी जान कुर्बान कर दी ताकि आजादी के बाद देश में स्वराज्य, संविधान, समता और समानता का राजा होगा, लेकिन पिछले 75 सालों में आम भारतीय को पीने का साफ पानी तक नहीं मिल सका। अपनी नाकामियों पर पर्दा डालने और सत्ता हासिल करने के लिये राजनीतिक दलों ने देश में जातिवाद व साम्प्रदायिकता की राजनीति का जहर घोल दिया। उन्होंने भाजपा पर हमला करते हुये कहा कि मोदी सरकार में महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, किसानों की आत्महत्या, तेल, गैस के दाम और साम्प्रदायिक भेदभाव से हर वर्ग परेशान है। प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह ने कहा कि देश में फैले नफरत के माहौल में कौंसिल मोहब्बत का दिया जला रही है। पार्टी प्रवक्ता एडवोकेट तलहा रशीदी ने कहा ओलमा कौंसिल एक दिल नहीं बल्कि एक आंदोलन है जो पीड़ित व वंचितों की आवाज के रूप में जानी जाती है।

राजस्थान में टूटेगा ट्रेंड, फिर बनेगी कांग्रेस की सरकार : जयंत चौधरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भरतपुर। राष्ट्रीय लोकदल पार्टी के अध्यक्ष जयंत चौधरी भरतपुर के जाटौली रतमान गांव पहुंचे। यहां उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन किया और किसान सभा को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अबकी बार राजस्थान में अप्रत्याशित चुनाव के नतीजे आएंगे। राजस्थान में जो ट्रेंड रहा है उसे तोड़ते हुए एक फिर कांग्रेस सरकार बनेगी। उन्होंने कहा- कांग्रेस सरकार ने इस बार उम्मीद से ज्यादा काम किए हैं। इस दौरान विधानसभा चुनावों को लेकर जयंत चौधरी ने कहा कि हम पर भरोसा किया जा सकता है। हम उम्मीद करते हैं कि हमें और भी जगह दी जाएगी। क्योंकि, लोकदल का पुराना चेहरा है, हमारी पार्टी की पहचान पुरानी है। चौधरी ने कहा- ऐसी सीट जिसे कांग्रेस 3 से 4 बार न जीत पाई हो, वह सीट हम जीतकर दिखा सकते हैं। सीकर, झुंझुनूं, नागौर से भी हमें मौका दिया जाए। उन्होंने कहा कि हमारा गठबंधन मजबूती से चुनाव लड़ेगा। ईआरपीसी एक महत्वाकांक्षी योजना है, इसे लेकर केंद्र सरकार ने कोई मदद नहीं की। प्रदेश सरकार ने खुद ही बजट में इसका प्रावधान किया। जयंत चौधरी ने कहा- हम इंडिया के घटक दल हैं। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान में इंडिया गठबंधन चुनाव लड़ेगा। घटक दलों के आपसी टकराव और मतभेद होते हैं। इससे ऊपर उठकर हमें निर्णय लेने होंगे। हम उम्मीद करते हैं कि कांग्रेस अपना बड़ा दिल दिखाए। पिछली बार हम दो सीटों पर चुनाव लड़े थे, लेकिन अब हम विस्तार चाहते हैं। हमने दिखाया है कि हम दूसरे एलाइंस की तरह नहीं हैं। हम कहीं टस से मस नहीं हुए।

गौमाता तड़प-तड़प मर रहीं पर भाजपा मौन : कंप्यूटर बाबा

» बोले- गौमाता वोट नहीं देती इसलिए कोई प्लान नहीं बनता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव अब नजदीक है। अब कांग्रेस के पक्ष में प्रचार करने एक बार फिर कंप्यूटर बाबा ने मैदान संभाल लिया है। कंप्यूटर बाबा गौ संरक्षण के मुद्दे पर प्रदेश की बीजेपी सरकार को घेरने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए वह पूरे प्रदेश में एक यात्रा कर रहे हैं। बता दें कि नदी संरक्षण प्राधिकरण के प्रमुख रह चुके नामदेव दास त्यागी कंप्यूटर बाबा इसी यात्रा के दौरान बुधनी पहुंचे। जहां उनका स्वागत कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया।

आपको बता दें, पूर्व में कमलनाथ सरकार में बाबा नर्मदा संरक्षण को लेकर भी सुर्खियों में रहे थे। हालांकि, कमलनाथ सरकार जाते ही बाबा ने कभी नदी संरक्षण को लेकर न कोई बयान दिया न ही कभी कोई आंदोलन किया। जब-जब चुनाव नजदीक आते हैं, तब-तब कंप्यूटर बाबा एक नए बिगुल के साथ क्षेत्र में सक्रिय दिखाई देते हैं। उन्होंने वर्तमान सरकार बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा, मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार दुनिया भर की योजनाओं की घोषणा कर रही है, लेकिन गौमाता आज पूरे प्रदेश में रोड पर तड़प-तड़प के मर रही है, जिसके लिए कोई योजना पिछले सालों में सरकार ने नहीं बनाई। वहीं, उन्होंने कहा कि इस बार मध्यप्रदेश में सरकार तो वही आएगी जो गौ माता की रक्षा करेगी। बीजेपी सरकार ने विभिन्न योजनाएं बनाई, लेकिन गौ माता के लिए कोई योजना नहीं बने। क्योंकि गौमाता वोट नहीं देती है। मध्यप्रदेश में सड़कों पर आए दिन गौमाता दुर्दशा का शिकार हो रही है और तड़प-तड़प कर दम तोड़ रही है।

वाकई उत्तर प्रदेश से अलग होगा पश्चिमी यूपी!

» पश्चिम उत्तर प्रदेश की मांग भाजपा की योजना या जुमला ?

» बीजेपी सांसद व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान के बयान से छिड़ी बहस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश में एक ओर जहां जातिगत जनगणना की मांग जोरों से उठ रही है और ये मुद्दा देश का सबसे ज्वलंत मुद्दा बनता जा रहा है। तो वहीं दूसरी ओर देश के सबसे बड़े राज्य और राजनीतिक दृष्किोण से भी सबसे महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश में जातीय जनगणना के मुद्दे के साथ-साथ एक और मुद्दा भी काफी जोरों से उठ रहा है। इस मुद्दे पर पक्ष और विपक्ष दोनों की तरफ से अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दी जा रही हैं। ये मुद्दा है उत्तर प्रदेश को एक बार फिर बांटने का। सर्व विदित है कि साल 2000 में उत्तर प्रदेश को एक बार बांटा जा चुका है। तब उत्तर प्रदेश से अलग होकर उत्तराखंड के रूप में एक नया राज्य बना दिया गया था। हालांकि, उसके बाद भी कई मौकों पर यूपी को बांटने की मांग उठती रही है। लेकिन इस पर कोई अमल नहीं किया गया। अब एक बार फिर उत्तर प्रदेश के विभाजन की मांग उठ रही है। ये मांग उठाई भी मोदी सरकार के मंत्री द्वारा ही गई है।

दरअसल, मुजफ्फरनगर से भाजपा के सांसद और केंद्र सरकार में राज्यमंत्री संजीव बालियान ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश को यूपी से अलग करने की और पश्चिमी उत्तर प्रदेश को एक अलग राज्य बनाने की मांग की है। संजीव बालियान के इस बयान के बाद अब प्रदेश में पश्चिमी यूपी के अलग करने को लेकर एक नई बहस छिड़ गई है। भाजपा से जुड़े जाट नेताओं की मेरठ में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय जाट संसद में संजीव बालियान ने कहा कि पश्चिम उत्तर प्रदेश अलग राज्य बने। संजीव बालियान यहीं नहीं रूके उन्होंने कहा कि पश्चिम उत्तर प्रदेश सर्वश्रेष्ठ राज्य होगा। केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश एक अलग राज्य बने और मेरठ उस राज्य की राजधानी हो। इसकी मांग लंबे समय से हो रही है लेकिन अभी तक ऐसा नहीं हो सका। यही नहीं बाद में पत्रकारों से रूबरू होते हुए केंद्रीय मंत्री बालियान ने इस मुद्दे को विस्तार देकर बताया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश केवल नौ करोड़ की आबादी वाला इलाका है। यूपी में सबसे ज्यादा राजस्व देने वाला इलाका है और यह इलाका शिक्षा, कृषि, उद्योग से समृद्ध भी है। अगर पश्चिमी उत्तर प्रदेश अलग राज्य बनता है तो यह देश का सबसे बेहतरीन राज्य होगा। यहां विकास की अपार संभावनाएं होंगी। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजधानी मेरठ बने। सब जानते हैं कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सियासी राजधानी भी मेरठ को कहा जाता है। एक ओर जहां बालियान अलग राज्य बनाने की मांग कर रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर भाजपा के ही फायर ब्रांड नेता संगीत सोम का कहना है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश अलग राज्य बना तो यह मिनी पाकिस्तान बन जाएगा।

केंद्रीय मंत्री बालियान ये मांग तो कर दी है और इसको लेकर सियासी बहस भी छिड़ गई है। लेकिन इससे पहले अब सबसे बड़ा सवाल ये ही जेहन में आता है कि क्या भाजपा वाकई में यूपी को तोड़ने का प्लान कर रही है? क्या वाकई में बीजेपी पश्चिमी यूपी को प्रदेश से अलग कर एक नया राज्य बनाने की योजना पर विचार कर रही है। या फिर लोकसभा चुनाव को करीब आता देख और विपक्ष को एकजुट होता देख कहीं ये भाजपा का सिर्फ जुमला तो नहीं है? क्योंकि जाहिर है कि किसी भी प्रदेश का विभाजन करना और एक नया प्रदेश बनाना किसी सरकार के लिए आसान नहीं होता है। वो भी उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में तो ऐसा प्रयोग सत्ताधारी दल को और भी जोखिम में डाल सकता है, क्योंकि दिल्ली का रास्ता भी यूपी से होकर ही गुजरता है। यानी कि केंद्र की सत्ता के लिए यूपी पर फतह पाना हर राजनीतिक दल के लिए जरूरी होता है। वहीं बात अगर पश्चिमी यूपी की करें तो राजनीतिक दृष्टिकोण ये यूपी का ये हिस्सा काफी महत्वपूर्ण है।

कई बार उठ चुकी है मांग

वैसे यूपी को बांटने और पश्चिमी यूपी को अलग करने की मांग कोई नई नहीं है। पश्चिम यूपी को हरित प्रदेश बनाकर अलग राज्य का दर्जा देने की मांग करीब चार दशक पुरानी है। इस क्षेत्र में समाज के हर वर्ग के लोग अलग राज्य की मांग के लिए आंदोलन करते रहे हैं। ऐसा नहीं है कि यह ऐसा इलाका है कि यहां उद्योग धंधे नहीं हैं। यहां के लोगों की मुख्य शिकायत प्रमुख प्रशासनिक केंद्रों का विकेंद्रीकरण न होना है। अधिकतर सभी प्रमुख संस्थान लखनऊ और उसके पास ही केंद्रित हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेशवासियों को लखनऊ जाने में काफी परेशानी उठानी पड़ती है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की पश्चिम में अलग बैंच बनाने की मांग तो 1956 से चली आ रही है। पश्चिम उत्तर प्रदेश के वादकारियों और अधिवक्ताओं की मांग रही है कि लाहोर से ज्यादा दूर उन्हें इलाहाबाद पड़ता है। पश्चिम उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट की बैंच बने इस मांग को लेकर 1980 में तीर्व आंदोलन हुआ था। इसे पूरा न होते देख सुझाव आया कि हाईकोर्ट की बैंच की मांग छोडकर अलग प्रदेश की मांग करो। अलग प्रदेश बनेगा तो बैंच नहीं प्रदेश का अपना ही हाईकोर्ट होगा। बिजनौर के स्वामी ओमवेश ने 1989 में इस मुद्दे प्रमुखता से को उठाया था। उन्होंने बिजनौर, मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, गाजियाबाद, नोएडा, बुलंदशहर, अलीगढ़, मुरादाबाद, अमरोहा, बंदायू, आगरा, बरेली व शाहजहांपुर समेत 17 जिलों को मिलाकर गंगा प्रदेश बनाने की मांग की थी। इतना ही नहीं अपनी इस मांग को लेकर उन्होंने दिल्ली के जंतर मंतर पर इसके लिए प्रदर्शन भी किया था। स्वामी ओमवेश के साथ इस आंदोलन में पूर्व सांसद हरेंद्र मलिक, वीरेंद्र वर्मा, सोहनवीर सिंह समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के तमाम नेता शामिल हुए थे। इस मुद्दे पर ये तमाम नेता एकजुट हो गए थे। स्वामी ओमवेश ने 1996 तक गंगा प्रदेश के नाम से अलग राज्य बनाने का आंदोलन चलाया था। बाद में यह मुद्दा दब गया। इसके बाद रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी अजित सिंह ने हरित प्रदेश बनाने की मांग करते हुए 1992 में इस मुद्दे को फिर हवा दी थी। उन्होंने जोर शोर से अलग प्रदेश बनाने का यह मुद्दा उठाया था। लगभग दो साल पहले बिजनौर से बसपा सांसद मलूक नागर ने संसद में पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग राज्य बनाने का मुद्दा उठाकर इसे फिर से हवा दे दी है। उन्होंने छोटे राज्य के फायदे भी बताए। सांसद ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अलग राज्य बनने से राजस्थान सरकार ने पिछड़ों के साथ जो अन्याय किया है, उसकी भरपाई की जा सकती है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग

भाजपा के लिए नहीं आसान

सब जानते हैं कि बेहतर कानून-व्यवस्था, अयोध्या में श्रीराममंदिर और जन कल्याणकारी योजनाओं को देने के बावजूद 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में भाजपा की राह आसान नहीं दिख रही है। क्योंकि एक तो जबसे इंडिया गठबंधन के बैनर तले अधिकांश विपक्षी दल एक साथ आए हैं, तबसे भाजपा के लिए मुश्किलें और भी बढ़ी ही हैं। वहीं इंडिया गठबंधन की एकजुटता की एक मिसाल घोसी के विधानसभा उपचुनाव में देखने को भी मिली। जहां भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ा। यही वजह है कि घोसी विधानसभा में मिली हार के बाद अब इंडिया गठबंधन भाजपा को लोकसभा की राह का रोड़ा प्रतीत हो रहा है। ऐसे में पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग करने का मतलब है कि भाजपा अपने लिए खुद ही खाई खोद ले। क्योंकि भले पिछले कुछ चुनावों में भाजपा ने यूपी वेस्ट में अच्छा प्रदर्शन किया हो, लेकिन ये सच है कि पश्चिमी यूपी का अधिकांश इलाका मुस्लिम और जाट बाहुल्य है। ऐसे में अब जब 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष इंडिया गठबंधन के अंतर्गत एकजुट होकर मैदान में उतरेगा तो कांग्रेस, सपा और रालोद एक साथ होंगे। जिससे जाहिर है कि जाट और मुस्लिम वोट का बंटना मुश्किल हो जाएगा। और यही भाजपा के लिए मुश्किल खड़ी कर सकता है। क्योंकि मुस्लिम भाजपा को मिले, इसकी उम्मीद तो खुद पीएम मोदी तक को नहीं होती है। वो भी यूपी का मुस्लिम तो मिलना मुश्किल है। दूसरी ओर पश्चिमी यूपी के जाट वोटों पर अजित सिंह के जमाने से ही रालोद की पकड़ मजबूत रही है। वहीं जब सपा, कांग्रेस और रालोद एकसाथ आ जाएंगे तो जाट और मुस्लिम वोट इन तीनों में भी नहीं बंटेगा। ऐसे में भाजपा के लिए डिवाइड एंड रूल की नीति भी काम नहीं आएगी। और निश्चित है कि भाजपा को पश्चिमी यूपी में नुकसान उठाना पड़ेगा। ऐसे में अगर पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग कर दिया, तब तो भाजपा के हाथ से एक राज्य खिसकने का खतरा बना रहेगा। यही वजह है कि पश्चिमी यूपी में खुद को मजबूत बनाने के लिए भाजपा इसी इंडिया गठबंधन की काट निकालने की कोशिश कर रही है। भाजपा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अलग-अलग समाज के लोगों से विचार कर मंथन कर रही है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लोकसभा की चुनावी वैतरणी से कैसे पार लगा जाए। केंद्रीय सेवाओं में जाट आरक्षण बहाली को लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जाट आंदोलन का मूड बनाए बैठे हैं। इस आंदोलन की काट ढूंढने के लिए ही मेरठ में जाट संसद का आयोजन किया। इस आयोजन में हर एक राजनीतिक दल के नेता आमंत्रित किए गए थे। भाजपा के लिए पश्चिमी यूपी में इस कठिनाई का एक कारण महिला पहलवानों का आंदोलन भी बन सकता है। ऐसे में पश्चिमी यूपी इस समय भाजपा के लिए प्रदेश का सबसे मुश्किल इलाका बन गया है। इसिलए संभव है कि भाजपा अभी तो पश्चिमी यूपी को अलग करने का विचार नहीं ही करेगी।

पश्चिमी यूपी की उपेक्षा का लगता रहा है आरोप

पश्चिमी यूपी का इलाका हर दृष्टि से प्रदेश के अन्य हिस्सों से आगे है। यहां के निवासियों का आरोप रहा है कि हमारे द्वारा दिया गया राजस्व पूर्वी उत्तर प्रदेश के विकास में लग रहा है। प्रदेश में लगभग छह साल से भाजपा की सरकार है। इस दौरान भी कुछ नहीं हुआ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बारे में शिकायत रही है कि उनका ध्यान पूर्वी उत्तर प्रदेश और गोरखपुर के विकास पर ज्यादा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की उपेक्षा के कारण कभी पश्चिमी उत्तर प्रदेश और कभी हरित प्रदेश के नाम से लोगों ने संघर्ष किया है, पर आज तक मांग नहीं सुनी गई। उत्तराखंड को अलग किए जाने के बाद यह मांग और ज्यादा मुखर हुई थी। मायावती अलग अलग राज्य बनाने का प्रस्ताव तक विधानसभा में ला चुकी हैं। वह पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग राज्य बनाने के बारे में प्रधानमंत्री को भी अपने मुख्यमंत्री काल में पत्र लिख चुकी हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

तेज हुआ सत्ताधीश के सरकारी अस्त्र का आघात

इस चुनावी मौसम में मोदी सरकार के इस अस्त्र का पहला शिकार बने हैं आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह। कल सुबह-सुबह ही संजय सिंह पर इस सरकारी अस्त्र से प्रहार कर दिया गया और शाम होते-होते संजय सिंह अस्त्र की 'गिरफ्त' में भी आ गए। संजय सिंह ने लगभग 10 घंटों तक इस अस्त्र का सामना किया, लेकिन अंत में वो पूरी तरह से इसका शिकार हो गए और गिरफ्त में आ गए।

जितना-जितना 2024 का लोकसभा चुनाव करीब आता जा रहा है, उतनी-उतनी भाजपा और पीएम मोदी की बेचैनी भी बढ़ती जा रही है। क्योंकि इस बार 2014 और 2019 वाली मोदी लहर नहीं है। यही वजह है कि मोदी सरकार ने विपक्ष को घेरने के लिए अब अपने सबसे मजबूत अस्त्र का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। जो अक्सर उस समय छोड़ा जाता है जब किसी राज्य में चुनाव होते हैं। या फिर उस व्यक्ति व संस्थान पर छोड़ा जाता है जो सत्ता से सवाल करने लगता है। अब जब लोकसभा चुनाव करीब है और विपक्ष एकजुट होकर भाजपा का मुकाबला करने के लिए मजबूती से खड़ा हो रहा है, तो भाजपा ने अपना ये प्रमुख हथियार विपक्षी नेताओं पर छोड़ना शुरू कर दिया है। चुनावी मौसम में मोदी सरकार के इस अस्त्र का पहला शिकार बने हैं आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह। कल सुबह-सुबह ही संजय सिंह पर इस सरकारी अस्त्र से प्रहार कर दिया गया और शाम होते-होते संजय सिंह अस्त्र की 'गिरफ्त' में भी आ गए। संजय सिंह ने लगभग 10 घंटों तक इस अस्त्र का सामना किया, लेकिन अंत में वो पूरी तरह से इसकी गिरफ्त में आ गए।

कहने के लिए सिंह पर इस अस्त्र का प्रयोग दिल्ली शराब घोटाला के मामले में किया गया। क्योंकि संजय सिंह का चार्जशीट में नाम शामिल था। जाहिर है कि शराब घोटाला एक बहाना है, मेन मकसद चुनाव से पहले विपक्षी दलों व नेताओं पर दबाव बनाना है और उन्हें संभव हो सके तो किसी भी तरह से जेल में भेजना है। ताकि चुनाव के वक्त विपक्ष के पास बड़े चेहरों का या तो अभाव हो जाए। या फिर इन बड़े चेहरों पर बड़े-बड़े झूठे आरोप मढ़ दिए जाएं। जिन आरोपों पर मोदी सरकार के इन सरकारी अस्त्रों का निशान छप चुका हो। संजय सिंह भी अब इसकी गिरफ्त में तो आ ही चुके हैं, देखना ये है कि सिंह पर इस अस्त्र का आघात कितना गहरा होता है। क्योंकि संजय सिंह से पहले भी दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पर इन सरकारी अस्त्रों का आघात हो चुका है। सिसोदिया पर ये आघात इतना गहरा हुआ है कि अब संभवत: उनका राजनीतिक करियर ही समाप्त हो गया। वैसे देखा जाए तो संजय सिंह तो इस सरकार अस्त्र का पहला निशाना हैं। लोकसभा चुनाव से पहले अभी कई बड़े विपक्षी चेहरे हैं जो मोदी सरकार के इन सरकारी अस्त्रों के निशाने पर हैं। इसमें पहला नाम तो आप मुखिया और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल का ही है। तो वहीं कोई बड़ी बात नहीं कि अगर लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर भी इन सरकारी अस्त्रों की निगाह घूम जाए। फिलहाल ये तो तय है कि लोकसभा चुनाव से पहले मोदी सरकार के ये सरकारी 'ब्रह्मास्त्र' विपक्ष के कई बड़े चेहरों को अपना निशाना बनाएंगे।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

प्रतिभा निखार युवाओं को सशक्त बनाएं

गुरबचन जगत

आप एक नागरिक को कैसे सशक्त बनाएं? उसे अपने सपने पूरे करने के काबिल कैसे बनाएं? इसमें राष्ट्र की भूमिका क्या है? हमारे संविधान की मूल प्रस्तावना में यह आदर्श लिखे हैं सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक न्याय, मुक्त विचार-अभिव्यक्ति-विश्वास-आस्था-पूजा की स्वतंत्रता, समानता और एक समान अवसर, भाईचारा, आत्मसम्मान..' इन आदर्शों की पूर्ति में हमारा कार्य अभी भी जारी है। लेकिन यहां गायब क्या है? ऐसा कौन सा आवश्यक पुर्जा नदारद है जो हमारे सपने पूरा करने में मददगार हो, वह जिसे 'भारतीय स्वप्न' कहा जा सके? सार रूप में, उत्तर सरल है हमें समान अवसर, योग्यता आधारित चयन, कानून चालित नियम-सम्मत समाज वाला राष्ट्र बनना होगा। सरकार की भूमिका कभी-कभार रेवड़ियां बांटने वाले की न होकर एक मददगार की हो। यह वह जड़ है जिससे नव-उद्यम अंकुरित होगा, इसी से हमारे युवा सशक्त और काबिल बनेंगे, क्योंकि हमने देखा है कि जब भी, जहां भी मौका दिया गया, उन्होंने तरक्की कर दिखाई है।

उदाहरणार्थ खेल क्षेत्र, छोटे शहरों और ग्रामीण अंचल के युवाओं ने खेलों में बहुत बढ़िया प्रदर्शन किया है। अधिकांशत: वे कम आय वर्ग या फिर गरीब घरों से आते हैं, केवल अपने दृढ़ संकल्प और सततता से अपने क्षेत्र में चमके हैं। एक वक्त था, जब चोटी के खिलाड़ी शहरी और अमीरों के चुनींदा शिक्षा संस्थानों से हुआ करते थे। क्रिकेट में, आज हमारे यहां धोनी, हार्दिक पांड्या और सिराज जैसे नाम छाए हुए हैं। हरियाणा के मुक्केबाज विश्व विजेता हैं, उत्तर-पूर्वी प्रांतों के मुक्केबाज, भारोत्तोलक और फुटबॉल खिलाड़ी चोटी पर हैं। झारखंड के धनुर्धर, पंजाब के हॉकी खिलाड़ी, केरल से तेज धावक और ऊंची कूद के और तमिलनाडु से शतरंज खिलाड़ी हैं इनमें ज्यादातर साधारण परिवारों से हैं। सेना और सिविल सेवाओं में अधिकारी स्तर की भर्ती में छोटे शहरों या ग्रामीण अंचलों और कम आय वाले परिवारों के बच्चों की आमद लगातार बढ़ रही है।

वह दिन गए जब सेना अधिकारी और नौकरशाह समाज के अति संभ्रांत वर्ग के हुआ करते थे। अभी पिछले दिनों, कश्मीर में शहीद हुए 19वीं राष्ट्रीय राइफल्स के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल मनप्रीत सिंह के पिता भी सेना में नायक थे, वे उसी बटालियन से सेवानिवृत्त हुए थे जिसका नेतृत्व बाद

में उनके बेटे ने किया (12 सिख लाइट इन्फैंट्री)। यह कोई अकेला उदाहरण न होकर समग्र सामाजिक-पीढ़ीगत बदलावों का चेहरा है। यह योग्यता आधारित चयन प्रक्रिया व व्यवस्था द्वारा अवसर देने से संभव हुआ। हालांकि, यह प्रक्रिया लाखों की संख्या में नौकरियां पैदा करने में विफल रही है, जिसकी जरूरत ग्रामीण और छोटे शहरों के युवाओं को है। आज हमारा 140 करोड़ लोगों का देश हैं और सरकार अकेली बेरोजगारी का पाट नहीं भर सकती। करोड़ों युवा आज खेती और गांवों से संबंधित छोटे-मोटे काम करके किसी तरह जीवनयापन कर रहे हैं। अपने विशाल ग्रामीण अंचल के लिए हम भविष्य की अर्थव्यवस्था पैदा करने में विफल रहे हैं। उद्योग और व्यापार खुद को शहरी इलाकों तक सीमित किए हुए हैं। वर्तमान में, हिस्से आते छोटे खेत कृषि में बड़ी क्रांति करने लायक नहीं रहे। नए बीज, नई खाद, नए खेती-उपकरण अपना काम दिखा चुके हैं। कृषि आधारित उद्योगों को सीमित सफलता मिल पाई है। फलत: देशभर में करोड़ों युवा बेरोजगार हैं, जो या तो शहरों की ओर पलायन करके मलिन बस्तियों में रहने को मजबूर होते हैं या फिर भविष्य की तलाश में विदेशों का रुख करते हैं। लिहाजा चोटी के 1 फीसदी अमीरों और समाज के सबसे निचले तबके के बीच आर्थिक असमानता का पाट बहुत चौड़ा हो गया है। इस शून्यता भरे खेल से निकलने की राह चुनिंदा औद्योगिक घरानों को संरक्षण देकर मिलने वाली नहीं है। वे बेरोजगारी की लहर को नहीं थाम सकते। सूक्ष्म, लघु, मध्यम और विशाल स्तर के उद्योगों को उत्साह और प्रोत्साहन देना होगा। हमें युवाओं को सशक्त बनाकर, उनकी काबिलियत और संभावना को बाहर लाना होगा। इसके लिए, समाज के सबसे निचले स्तर पर 'काम-धंधा करने की सुविधा हो।

इस विशाल देश में अनंत प्रतिभा और ज्ञान छिपा पड़ा है। विश्व में जिस किसी देश या इलाके ने बाहरी कच्चे माल में औद्योगिक प्रक्रिया से मूल्य-संवर्धन किया है, वहां आमदनी में बहुत बढ़ोतरी हुई है। यह कृषि और इससे जुड़े क्षेत्र में देखा जा सकता है इटली का चीज उद्योग हो या फ्रांस का वाईन व्यापार या फिर ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड का डेयरी उद्योग। यह बात भारी उद्योग पर भी लागू है। जापान इसका अच्छा उदाहरण है, जो कच्चा माल आयात करके, औद्योगिक और तकनीकी योग्यता की बदौलत इसे महंगे दाम पर बिकने वाली वस्तुओं में तब्दील कर डालता है।

हर पल सृजन में जुटे समाज के योगदान को पहचानें

हाल ही में, पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना की शुरुआत क्या हुई, 13,000 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी सरकारी योजना ने देश का ध्यान विश्वकर्मा समाज की ओर खींचा है। वाकई हर पल निर्माण कार्य में जुटे हैं विश्वकर्मा समाज के लोग। इन्हें कहीं-कहीं विश्व ब्राह्मण और विश्वकर्मा पंचाल कहा गया है, जिसके अंतर्गत लोहार, बढ़ाई, ठठेरा, सुनार और शिल्पकार वैदिक काल के पंच कामगार जन आते हैं।

अमिताभ स.

पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना को विश्वकर्मा समाज के लिए देश का बड़ा सलाम कह सकते हैं। पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह, फिल्म मेकर रामानन्द सागर, गजल फनकार जगजीत सिंह समेत तमाम क्षेत्रों में विश्वकर्मा वर्ग की शखसियतों ने सराहनीय योगदान दिया है। हाल ही में, पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना की शुरुआत क्या हुई, 13,000 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी सरकारी योजना ने देश का ध्यान विश्वकर्मा समाज की ओर खींचा है। वाकई हर पल निर्माण कार्य में जुटे हैं विश्वकर्मा समाज के लोग। इन्हें कहीं-कहीं विश्व ब्राह्मण और विश्वकर्मा पंचाल कहा गया है, जिसके अंतर्गत लोहार, बढ़ाई, ठठेरा, सुनार और शिल्पकार वैदिक काल के पंच कामगार जन आते हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, विश्व ब्राह्मण भगवान विश्वकर्मा के पांच पुत्र हैं- मनु, माया, तवस्था, शिल्पी और विश्वजन्य। इन्हीं का रूप हैं विश्वकर्मा समाज के पांच जन। भारत के गांव-देहात के आर्थिक विकास में अहम भूमिका अदा करते-करते विश्वकर्मा समाज विभिन्न प्रदेश ही नहीं, श्रीलंका, नेपाल, म्यांमार, सिंगापुर और सारी दुनिया में फैलता गया है।

विश्वकर्मा के सबसे सुव्यवस्थित औद्योगिक वर्ग 'वीर पंचाल' में सुनार, लुहार, बढ़ाई और राजमिस्त्री शामिल हैं। विश्वकर्मा पंचाल को सभ्यता, संस्कृति और धर्म का प्रचारक बताया गया, क्योंकि उन्होंने कला के जरिये हिंदू धर्म और बाद में सिख धर्म को भी दुनिया भर में फैलाया। इंडो-आर्यन समाज में इनकी कद्र अन्य वर्ण से कम नहीं रही। इसलिए 'मास्टर बिल्डर' के तौर पर विख्यात शिल्प शास्त्री यानी विश्वकर्मा पंचाल समाज के लोगों को धर्म गुरुओं के बराबर आचार्य की उपाधि से सम्मानित किया गया। इसी समाज के जनक सृष्टि रचयिता ब्रह्माजी के पुत्र भगवान विश्वकर्मा निर्माण कला के सर्वसंपन्न देव हैं। भगवान विश्वकर्मा वास्तुशास्त्र के रचनाकार हैं और चारों युगों में निर्माण की मिसालें पेश की हैं। सतयुग में स्वर्ग लोक, त्रेता युग में सोने की लंका, द्वापर युग में द्वारका नगरी और हस्तिनापुर व इंद्रप्रस्थ का निर्माण उन्हीं के हाथों हुआ बताते हैं। हर साल सितंबर में कामगार विश्वकर्मा पूजा करते हैं, तो कुछ दीवाली के अगले दिन अपने औजारों-यंत्रों की पूजा के रूप में भगवान विश्वकर्मा की आराधना करते हैं। ताकि आने वाले साल में उनके औजार बेहतर काम करें और ज्यादा मुनाफा कमाएं।

यजुर्वेद के मुताबिक, विश्वकर्मा या विश्व ब्राह्मण के 5 गोत्र या कुल हैं। गोत्र या कुल का नामकरण देव ऋषियों पर हुआ। सनगा, सानतन, अभुवन, प्रतनन और सुपर्ण नामक पांच गोत्र आगे 25 उपकुलों में बंटे हैं। सभी भगवान विश्वकर्मा को अपना कुल देवता या कुल गुरू मानते हैं। देश के अलग-अलग प्रदेशों में विश्वकर्मा समाज के अलग- अलग सरनेम प्रचलित हैं।

केरल, कर्नाटक, गोवा व देश के बाकी राज्यों में भी अन्य उपनामों के विश्वकर्मा होते हैं। इतिहास गवाह है कि मध्य प्रदेश के विश्वकर्मा ब्राह्मणों ने 1857 के पहले स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अंग्रेजों के खिलाफ झांसी की रानी को बम- बारूद और अस्त्र-शस्त्र सप्लाई करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। हथियार बनाने में महारत के चलते अंग्रेज भी इनसे खासे प्रभावित हुए। इसलिए विश्व युद्ध के लिए बंदूकें, कारतूस, तोप वगैरह तमाम अस्त्र-शस्त्र मुहैया कराने के मकसद से जबलपुर कारखाने में सैकड़ों विश्वकर्माओं को नौकरियां दीं। आजादी की लड़ाई से आजाद भारत की राजनीति तक विश्वकर्मा समाज का झंडा बुलंद है। लोहार परिवार से बिहार के सरदार राम प्रताप सिंह काला पानी की सजा यानी सेलुलर जेल से जिंदा लौटने वाले पहले स्वतंत्रता सेनानी थे। विश्वकर्मा समाज के ज्ञानी जैल सिंह पंजाब की राजनीति की सीढ़ियां चढ़कर 1982-87 के दौरान राष्ट्रपति की कुर्सी पर विराजमान हुए। उधर, सिंगापुर के छठे राष्ट्रपति एसआर नाथन भी भारतीय मूल के विश्वकर्मा वंश के हैं। कला, मनोरंजन और खेल के क्षेत्र में विश्वकर्माओं ने निरंतर ऊंचाइयों को छुआ है। अपनी सुकून भरी आवाज के जादू से सारी दुनिया का दिल जीतने वाले गजल फनकार जगजीत सिंह विश्वकर्मा ब्राह्मण थे और उनका सरनेम धीमान था।

बॉलीवुड के जाने-माने फिल्म मेकर रामानंद सागर ने तो 'रामायण' और 'श्रीकृष्ण' सीरियलों की रचना कर खासी शोहरत हासिल की। सागर मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में विश्वकर्मा समाज का सरनेम है। हीरो अजय देवगन 'फूल और कांटे' से सिल्वर स्क्रीन पर आए और छाए हैं। शंकर-जयकृष्ण फेम संगीत निर्देशक बंधु के जोड़ीदार जयकृष्ण का सरनेम पंचाल है, जो विश्वकर्मा है। साहित्य, वास्तु, मेडिकल, पुलिस, न्याय, इंजीनियरिंग वगैरह हर क्षेत्र में विश्वकर्मा समाज के लोगों ने नाम कमाया है। बहरहाल, योजना के तहत दर्जी, धोबी, नाई समेत 18 क्षेत्रों के कामगारों को 1 और 2 लाख रुपये की दो किस्तों में कुल 3 लाख रुपये का कर्ज महज 5 फीसदी ब्याज दर पर देने की ऑनलाइन प्रक्रिया चालू हो चुकी है। इसे विश्वकर्मा समाज के निर्माण कार्यों को देश का सलाम कह सकते हैं।

छुट्टियों में घूमने का बना रहे प्लान तो जाएं केरल

केरल बहुत ही खूबसूरत राज्य है। यहां एक से बढ़कर एक पर्यटन स्थल मौजूद हैं। यहां अक्सर सैलानियों की भीड़ लगी रहती है। केरल को देवताओं की भूमि के नाम से भी जाना जाता है। इस राज्य की प्राकृतिक खूबसूरती आपका मन मोह लेगी। आप यहां फैमिली ट्रिप या हनीमून के लिए भी जा सकते हैं। केरल की सुंदरता के तो सभी कायल हैं, वहीं केरल की संस्कृति और रहन-सहन तो देखते ही बनता है। वैसे तो केरल में कई जगह हैं जहां का नजारा अद्भुत लगता है। मानसून सीजन में केरल काफी हराभरा और खूबसूरत हो जाता है।

मुन्नार

अगर आप प्रकृति प्रेमी हैं, तो मुन्नार आपके लिए बेस्ट आप्शन हो सकता है। इस हिल्स स्टेशन की खूबसूरती देखकर आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। मुन्नार चाय बागानों के लिए भी फेमस है। यहां मौजूद इको प्वाइंट पर आप कई तरह की एक्टिविटीज का आनंद ले सकते हैं। दक्षिण भारत का प्रसिद्ध हिल स्टेशन मुन्नार एक रोमांटिक स्थान है जहां घूमने, घूमने और आनंद लेने के लिए हर जगह प्राकृतिक सुंदरता है। मुन्नार तीन पर्वतीय नदियों - मुथिरापुझा, नल्लाथन्नी और कुंडला - के संगम पर स्थित है और मलयालम में मुन्नार शब्द का अर्थ तीन नदियां है। समुद्र तल से लगभग 1600 मीटर ऊपर स्थित, यह हिल स्टेशन औपनिवेशिक युग के दौरान ब्रिटिश सरकार का ग्रीष्मकालीन रिसॉर्ट था।

वर्कला

वर्कला केरल का प्रसिद्ध स्थल है। यहां के बीच और दूर तक फैले समुद्र की खूबसूरती आपका दिल जीत लेगी। यहां पहाड़ और समुद्र के अद्भूत नजारे देखने को मिलते हैं। अगर आप केरल घूमने जाएं, तो वर्कला जाना न भूलें।

अल्लेप्पी

अल्लेप्पी केरल में घूमने के लिए सबसे लोकप्रिय जगहों में से एक है। यहां साल भर पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है। यह बीच वॉलीबॉल और सर्फिंग जैसी एक्टिविटीज के लिए परफेक्ट ऑप्शन माना जाता है। अलेप्पी या अलाप्पुझा केरल के बेहद खूबसूरत शहरों में से एक है। पूर्व का वेनिस के रूप में भी जाना जाने वाला अलेप्पी अपने बैकवाटर के लिए प्रसिद्ध है।

वायनाड

वायनाड बहुत ही खूबसूरत टूरिस्ट प्लेस के रूप में जाना जाता है। यहां ऐतिहासिक गुफाएं, झरने और कई पर्यटन स्थल मौजूद हैं। यहां आपको ठहरने के लिए कमरे भी मिल जाएंगे। आप यहां प्रकृति की सैर और ट्रैकिंग के लिए जा सकते हैं।

फोर्ट कोच्चि

फोर्ट कोच्चि को ओल्ड कोच्चि या वेस्ट कोच्चि के नाम से भी जाना जाता है। आप यहां पैदल घूम सकते हैं। यहां मौजूद डच पैलेस काफी फेमस है। इसके अलावा आप सांता क्रूज कैथेड्रल बैसिलिका, इंडो-पॉर्टूगीज म्यूजियम आदि देख सकते हैं।

हंसना मना है

लड़का-मैं आपकी बेटी से शादी करना चाहता हूं, लड़की का बाप- कितना कमा लेते हो। लड़का- 19000 हजार महीना। लड़की का बाप- 15000 मैं अपनी बेटी को पॉकेट मनी देता हूं। लड़का- वो मिलाके के ही बोल रहा हूं अंकल।

पत्नी: हमेशा मेरा आधा माथा दुखता है, लगता है डॉक्टर को दिखाना पड़ेगा.. पति -अरे उसमे डॉक्टर को क्या बताना! वो तो जितना है उतना दुखेगा ही। बस तब से ही पति का पूरा बदन दु:ख रहा है।

पति अपनी पत्नी से- मेरी शर्ट को उल्टी करके प्रेस करना। पत्नी- ठीक है, कुछ देर बाद, पति- मेरी शर्ट को प्रेस कर दिया क्या, पत्नी- नहीं अभी नहीं, पति- क्यों? पत्नी - अभी मुझे उल्टी ही नही आ रही, तो उल्टी करके कैसे प्रेस करूं। पति बेहोश।

फादर- अगर इस बार तुम इम्तिहान में फेल हुए तो, मुझे पापा मत कहना। इम्तिहान के बाद, फादर-तुम्मारा रिजल्ट कैसा रहा? सन: दिमाग का दही मत कर बाबूलाल तु बाप कहलाने का हक खो चुका है।

एक सरकारी दफ्तर के बोर्ड पार लिखा था, कृपया शोर ना करे। किसी ने उसके नीचे लिख दिया, वरना हम जाग जायेंगे..

कहानी | सबसे बड़ा हथियार

बादशाह अकबर कामकाज के अलावा भी कई चीजों के बारे में बीरबल से बातचीत किया करते थे। ऐसे ही बैठे-बैठे एक दिन बादशाह ने बीरबल से पूछा कि इस दुनिया में सबसे बड़ा हथियार तुम्हारे हिसाब से कौन-सा होता है? इस बात के जवाब में बीरबल ने कहा कि संसार में आत्मविश्वस से बड़ा हथियार कुछ और नहीं हो सकता है। यह बात अकबर के समझ में नहीं आई, लेकिन फिर भी उन्होंने कुछ नहीं कहा। उनके मन में हुआ कि समय आने पर इस बात की परख की जाएगी। कुछ दिनों बाद राज्य में एक हाथी बेकाबू हो गया। पता करने पर समझ आया कि वो पागल हो गया है। उसे कर्मचारियों ने जंजीरों से जकड़ लिया था। इसकी खबर जैसे ही बादशाह को पहुंची, तो उन्होंने सीधे महावत से कहा कि जब भी तुम्हें बीरबल आता दिखे तो हाथी की जंजीरों को खोल देना। यह सुनकर महावत हैरान हो गया, लेकिन बादशाह का आदेश था, इसलिए सिर झुकाकर चला गया। अब अकबर ने बीरबल को महावत के पास जाने के लिए कहा। महावत ने भी बादशाह के आदेश का पालन करते हुए बीरबल को आते देख हाथी को जंजीरों से मुक्त कर दिया। बीरबल को इस बात की खबर नहीं थी, इसलिए वो आराम से चल रहे थे। तभी उनकी नजर चिंघाड़ते हुए हाथी पर पड़ी। जैसे ही उन्होंने देखा कि हाथी उनकी ही तरफ आ रहा है। वो कुछ समझ नहीं पाए। कुछ ही देर में उनके दिमाग में हुआ कि बादशाह ने मेरी आत्मविश्वास वाली बात को परखने के लिए ही इस हाथी को मेरे पीछे छोड़ने का आदेश दिया होगा। अब बीरबल इधर-उधर भागने की सोच रहे थे, लेकिन ऐसा कुछ हो नहीं पाया। सामने से हाथी आ रहा था और अगल-बगल में भागकर जाने की जगह नहीं थी। इतने में हाथी बीरबल के काफी करीब पहुंच गया। तभी बीरबल ने सामने एक कुत्ते को देखा और उसे टांगों से पकड़कर हाथी की तरफ फेंक दिया। कुत्ते चीखते हुए हाथी से टकराया। उसकी ऐसी चीखें सुनकर हाथी वापस उल्टी दिशा में भागने लगा। कुछ ही देर में इस बारे में बादशाह अकबर को पता चला, तब जाकर उन्होंने माना कि आत्मविश्वास ही मनुष्य का सबसे बड़ा हथियार है।

7 अंतर खोजें

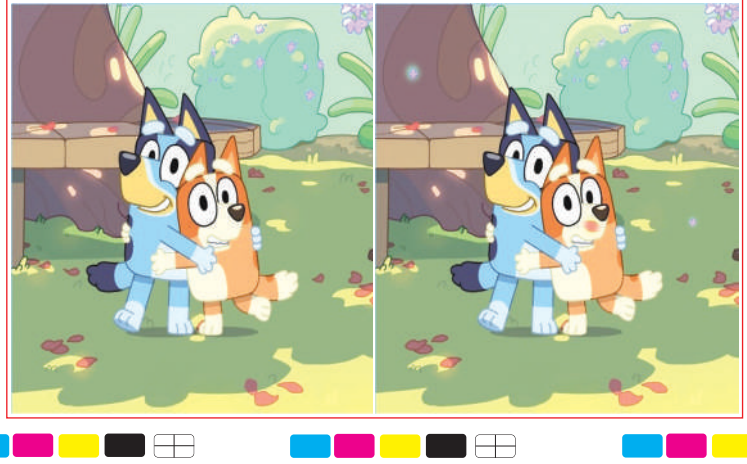

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज वाहन चलाते समय सावधानी रखें। युवा वर्ग उच्च शिक्षा के लिए बाहर जा सकते हैं। लव लाइफ में विवाद हो सकता है। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन काफी बढ़िया रहेगा।

वृषभ

आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आप सोशल मीडिया के जरिए सामाजिक कार्यों में सहयोग देंगे। शिक्षकों की मदद से विद्यार्थियों का प्रोजेक्ट आज पूरा हो जाएगा।

मिथुन

आज धन के दृष्टिकोण से बेहतर रहने वाला है। व्यवसाय की कुछ पुरानी योजनाओं का लाभ उठाएंगे। नौकरी कर रहे लोगों को सहयोगियो का भरपूर साथ मिलेगा।

कर्क

आज आपको कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता हैं। अत्यधिक खर्च पर अंकुश लगाएं। विदेश में रह रहे किसी रिश्तेदार से मिला तोहफा आपके लिए खुशी लेकर आएगा।

सिंह

आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज जो भी काम शुरू करेंगे वो समय से पूरा हो जायेगा। आज आपको करियर से संबंधित नए अवसर मिलेगा।

कन्या

आज का दिन आपके लिए काफी व्यस्तता भरा रहेगा। व्यवसाय कर रहे लोगों के सामने एक के बाद एक नई डील आ सकती है, जिसके कारण आप व्यस्त रहेंगे।

तुला

प्रियजनों के साथ गलतफहमी होने की संभावना है और उसके कारण आपके काम स्थगित हो जाएंगे। ना चाहते हुए भी फालतू खर्च बढ़ेगा। आज काम का बोझ थोड़ा कम होगा।

वृश्चिक

आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। ननिहाल पक्ष से कोई शुभ समाचार मिलेगा जिससे आपके परिवार में उत्सव जैसा माहौल बनेगा।

धनु

आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आपको अपने रोजमर्रा के खर्चों को निकालने के लिए भी कठिन परिश्रम करना होगा।

मकर

नौकरी में आपकी कड़ी मेहनत की वजह से प्रमोशन मिलने के योग हैं। धर्म आध्यात्म के मामले में आपकी रुचि बढ़ेगी और पढ़ाई के मामले में आज आपको काफी लाभ होगा।

कुम्भ

आज आर्थिक तौर पर स्थिति मजबूत रहेगी। अगर कोई बिजनेस करते हैं, तो आज उसे बढ़ाने का कोई नया पालन बनायेंगे। लोगों के बीच आपका मान- सम्मान बढ़ेगा।

मीन

आज का दिन आपके लिए उत्तम रूप से फलदायक रहेगा। आज आपको अपने किसी प्रिय से आत्मविश्वास मे आत्मघात का सामना करना पड़ेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्म इंडस्ट्री में चलती है जमींदारी प्रथा : अनुराग कश्यप

अनुराग कश्यप की फिल्मों का डंका पूरी दुनिया में बजता है। उन्होंने पर्दे पर हमेशा ऐसे मुद्दे उठाए हैं, जिन्हें देख हर कोई दंग रह जाता है। अनुराग की हर फिल्म के लिए दर्शकों के बीच एक खास उत्सुकता देखने को मिलती रहती है। फिलहाल डायरेक्टर अपनी अगली फिल्म बेबाक को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म में उन्होंने पुरुष प्रधान सामाजिक व्यवस्था का मुद्दा उठाया है, जो सच्ची घटना पर आधारित है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अनुराग ने अपनी इस फिल्म और बॉलीवुड को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि जब शाजिया इकबाल इस फिल्म की कहानी लेकर उन्हें सुनाने के लिए आई तब वह इसे सुनकर बहुत भावुक हो गए थे। अनुराग ने कहा कि फिल्म की स्क्रिप्ट बहुत शानदार थी। उन्होंने कहा, उस समय मैंने सोचा ही नहीं था कि मेरी विचारधारा क्या है, लेकिन मुझे ये जरूर पता था कि जो साथ काम करते हैं उनकी विचारधारा एक होती है।

अनुराग ने आगे बॉलीवुड पर बात करते हुए कहा, इंडस्ट्री में जमींदारी की समस्या चलती है। लोगों को बस दूसरों पर हक जमाना आता है। मैं बहुत लोगों के साथ काम करता हूं और सभी मुझे बस एक ही सलाह देते हैं कि उनके साथ संपर्क बनाकर रखो। जो भी आए, जितना भी पैसा कमाओ, सब उनके साथ जरूर शेयर करो। मैं इसमें भरोसा ही नहीं करता और इसीलिए किसी को अपना गुलाम नहीं बनाऊंगा। अनुराग ने अपनी बात पूरी करते हुए आगे कहा, इंडस्ट्री में बहुत सारे लोग आज भी ऐसे हैं, जो इस बात पर विश्वास कर लेते हैं कि मैंने तुम्हें मौका दिया, इसलिए तुम ये मत करो, तुम वो मत करो। ये दोनों ही चीजें इस इंडस्ट्री में हैं। यह सिर्फ बॉलीवुड में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में फैली हुई है। गौरतलब है कि अनुराग बेबाक के अलावा कैनेडी को लेकर भी चर्चा में हैं। यह फिल्म इस साल कांस फिल्म फेस्टिवल में भी दिखाई गई थी। फिल्म में सनी लियोन को लीड रोल में देखा जाने वाला है।

आमिर संग धमाल करने को तैयार सनी देओल

आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले निर्मित अपकमिंग फिल्म लाहौर, 1947 सदी के सबसे प्रमुख रचनात्मक नामों में से एक है। इस उल्लेखनीय परियोजना में आमिर खान, राजकुमार संतोषी के साथ-साथ सनी देओल भी काम कर रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस (एकेपी) की मूवी रोस्टर में 17वीं रिलीज भी होगी।

इस फिल्म के साथ बतौर प्रोड्यूसर आमिर खान जुड़े हैं, जबकि बेहतरीन फिल्ममेकरराजकुमार संतोषी इस परियोजना का निर्देशन करेंगे। फिल्म में मुख्य अभिनेता के तौर पर सनी देओल लीड रोल में होंगे। सनी, आमिर और संतोषी की इस तिकड़ी के साथ इस विशाल परियोजना पर सहयोग करते हुए, यह सिनेमा प्रेमियों और भारत के लोगों के लिए एक धमाकेदार फिल्म होने जा रही है।

राजकुमार संतोषी और सनी देओल इससे पहले घायल, दामिनी, और घातक जैसी फिल्मों के साथ बॉक्स ऑफिस पर तीन हिट फिल्में दे चुके हैं। इस इम्प्रेसिव ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए, यह अनुमान लगाना जाहिर है कि उनकी आने वाली फिल्म भी किसी एपिस से कम नहीं होगी। बता दें, सनी देओल ने हाल ही में 500 करोड़ से अधिक की मेगा ब्लॉकबस्टर गदर 2 के साथ बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया है! वहीं, जो बात इस घोषणा को और भी खास बनाती है, वह यह है कि सनी देओल और आमिर खान के बीच अतीत में कॉम्पिटीटर के रूप में आइकोनिक बॉक्स-ऑफिस क्लैस हुआ है, जहां जीत दोनों की हुई। ये टकराव 1990 में देखी गई थी जब आमिर खान की दिल और सनी देओल की घायल एक ही दिन रिलीज़ हुई थीं। फिर 1996 में राजा हिंदुस्तानी वर्सेज घातक के बाद 2001 में भारतीय सिनेमा का सबसे एपिक बॉक्स ऑफिस टकराव हुआ जब लगान उसी दिन गदर के साथ रिलीज़ हुई। अब पहली बार दोनों ने किसी प्रोजेक्ट पर हाथ मिलाया है।

अक्षय कुमार ने परिणीति चोपड़ा को दिया शादी का 'कीमती' गिफ्ट

बॉलीवुड | गपशप

परिणीति चोपड़ा ने नेता और कॉलेज के दिनों के दोस्त राघव चड्ढा संग 27 सितंबर को हुई। यह शादी राजस्थान के उदयपुर स्थित खूबसूरत लोकेशन पर हुई। परिणीति लगातार शादी की बीटीएस तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर कर रही हैं। वहीं, शादी के बाद उनकी पहली फिल्म 'मिशन रानीगंज: द ग्रेट रेस्क्यू ऑफ भारत' रिलीज होने वाली है। यह फिल्म 6 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में अक्षय कुमार लीड रोल में और परिणीति चोपड़ा उनके अपॉजिट हैं। यह अक्षय और परिणीति की दूसरी फिल्म है। अक्षय कुमार और परिणीति चोपड़ा ने इससे पहले 'केसरी' में साथ काम किया था। यह फिल्म ब्लॉकबस्टर हुई थी। अब 3 दिन बाद अक्षय और परिणीति की फिल्म रिलीज होने वाली है। इससे पहले, अक्षय ने को-एक्ट्रेस को शादी के मौके पर खूबसूरत गिफ्ट दिया है। इससे यकीनन परिणीति बहुत खुश होंगी। अक्षय कुमार ने एक दिन पहले अपकमिंग फिल्म 'मिशन रानीगंज' से नए गाने की एक झलक शेयर की। इसमें अक्षय और परिणीति को रोमांटिक अंदाज में पोज देते हुए देखा जा सकता है। इसमें एक रोमांटिक एंगल दिखा। अक्षय इस तस्वीर को शेयर करते हुए बताया कि यह परिणीति की शादी के लिए एक गिफ्ट है। अक्षय कुमार ने लिखा, प्यार से बढ़कर कुछ भी नहीं है परिणीति चोपड़ा। कल आने वाले आपके खास दिन के लिए यहां एक गिफ्ट है! भारत के सच्चे नायक की कहानी मिशन रानीगंज। देखें 6 अक्टूबर को सिनेमाघरों में। दरअसल यह तस्वीर फिल्म के रोमांटिक सॉन्ग 'कीमत' की झलक है। इस पर परिणीति ने आंखों में प्यार भरे इमोजी कमेंट्स किए। वहीं, फिल्म का दूसरा गाना 'कीमती' है, जोकि थोड़ी देर पहले ही लॉन्च हुआ है। गाने में अक्षय और परिणीति के बीच रोमांटिक केमेस्ट्री देखने को मिल रही है। परिणीति चोपड़ा की सादगी फैंस का दिल जीत रही है।

अजब-गजब | ग्रीस के पेलोपोनिस में है अजीबोगरीब महल

इस महल के चारों ओर पहरा देती हैं खौफनाक मूर्तियां... सालों से है वीरान

ग्रीस के पेलोपोनिस में एक अजीबोगरीब महल स्थित है, जिसे 'ग्रीक डिजनीलैंड' भी कहा जाता है। जिसकी डिजाइन मध्ययुगीन इमारतों के जैसे ही है। इस महल के चारों ओर पहरा देती हुईं कई खौफनाक मूर्तियां खड़ी हुई हैं। हालांकि रखरखाव में बढ़ते खर्चे के कारण इसको सालों से खाली छोड़ दिया गया है। अब इसकी वर्तमान स्थिति जीर्ण-शीर्ण है।

किसने बनाया था यह महल? द सन की रिपोर्ट के अनुसार, 1960 के दशक में एक सनकी डॉक्टर चारलाम्बोस फोरनारकिस ने इस महल को बनवाया था। जिसमें मध्य युग के शूरवीरों से लेकर ट्रोजन युद्ध और ग्रीक क्रांति के प्रतीक देखने को मिलते हैं। ट्रोजन हॉर्स की एक बड़ी मूर्ति, जिसे महल के बाहर देखा जा सकता है। एक समय इस महल के मालिक की लाइब्रेरी हुआ करती थी।

महल के बगल के खाली मैदान पड़ा हुआ है। जिसमें ग्रीक पौराणिक कथाओं के प्राचीन देवताओं एथेना और पोसीडॉन की आकृतियां खड़ी हुई हैं। डॉ चारलाम्बोस फोरनारकिस (हैरी फ़ोर्नियर) ने इस महल को अपने रहने के लिए बनाया था। वो 'दादा-दादी द्वारा बताई गईं कहानियों' जैसा कुछ बनाना चाहते थे, इसलिए उन्होंने इस महल को बनाया।

निर्माण के कुछ सालों बाद, इस महल का इस्तेमाल परफॉर्मेंस वेन्यू, म्यूजिम और एक होटल के रूप में किया जाता रहा है। हालांकि, अब इसके दरवाजे बंद रहते हैं। उसकी दीवारें वॉल पेन्टिंग्स से पटी हुई हैं। इसके चारों ओर कूड़ा और कचरा देखा जा सकता है। बता दें कि डॉक्टर चारलाम्बोस ने फिलाट्रा सिटी में एफिल टावर जैसी दिखने वाली एक छोटी बिल्डिंग को भी बनवाया था। महल की बिल्डिंग काफी पुरानी है। उसकी दीवारें जर्जर हो गई हैं। इसी वजह से उसका भविष्य संदिग्ध है, इसलिए इसे जर्जर अवस्था में खाली छोड़ दिया गया है। इसके अलावा एक स्थानीय क्लब, जो इसका रख-रखाव का खर्च उठाता है। अब वह ऐसा करने में सक्षम नहीं है। हालांकि, लॉकल ऑफिसर्स ने फ्यूचर में महल को फिर से खोलने की संभावना के साथ-साथ इसकी मरम्मत की लागत पर चर्चा करने के लिए बातचीत की है।

चमत्कारी कुआं! इसके जल से नहाने से दूर होते हैं शरीर के सभी रोग, दूर-दूर से यहां आते हैं श्रद्धालु

भरतकूप गांव के निकट एक विशाल कुआं है जो चित्रकूट के पश्चिम में लगभग 15 किमी के दूरी पर स्थित है। यह माना जाता है कि भगवान राम के भाई भरत ने अयोध्या के राजा के रूप में भगवान राम को सम्मानित करने के लिए सभी पवित्र तीर्थों से जल एकत्र किया था। भरत, भगवान राम को अपने राज्य में लौटने और राजा के रूप में अपनी जगह लेने के लिए मनाने में असफल रहे। तब भरत ने महर्षि अत्री के निर्देशों के अनुसार, वह पवित्र जल इस कुएं में डाल दिया। मान्यता है कि यहां के जल से स्नान करने का अर्थ सभी तीर्थों में स्नान करने के समान है। यहां भगवान राम के परिवार को समर्पित एक मंदिर भी दर्शनीय है। उत्तर प्रदेश के कई अन्य लोकप्रिय पर्यटक आकर्षणों की तरह यह हिंदू पौराणिक महाकाव्य, रामायण के एक दिलचस्प प्रसंग से जुड़ा है। इसे हिंदुओं का एक प्रमुख तीर्थ स्थल भी माना जाता है। भरतकूप में स्थित एक धार्मिक जगह है। जहां पर श्री राम जी, लक्ष्मण जी, भरत जी और शत्रुघ्न जी का मंदिर बना हुआ है। भारत के कोने-कोने से यहां पर लोग इस अद्भुत कुएं के पानी से स्नान करने के लिए आते हैं। दिनभर भरतकूप गांव में मेला सा लगा रहता है। लोग यहां पर मौजूद मंदिर के दर्शन कर भरतकूप के पानी से स्नान किए बगैर नहीं जाते। यहां पर बना भरतकूप मंदिर भी अत्यंत भव्य है। इस मंदिर में भगवान राम, सीता, लक्ष्मण, भरत व शत्रुघ्न की मूर्तियां विराजमान हैं। सभी प्रतिमाएं धातु की हैं। वास्तुशिल्प के आधार पर मंदिर काफी प्राचीन है। इस कुएं के बारे में भरत मंदिर के पुजारी भोला प्रसाद ने बताया कि कुएं का जल बहुत ज्यादा पवित्र है और इस कुएं के जल से अगर आप स्नान करते हैं, तो आपके जो भी रोग रहते हैं। वह नष्ट हो जाते हैं। इस कुएं के जल को लोग पीते हैं और अपने साथ शीशी में भरकर लेकर भी जाते हैं। भरत जी ने सभी तीर्थ स्थलों के पवित्र जल को इस कुएं में डाल दिया। इसलिए इस कुएं को भरतकूप के नाम से जाना जाता है। कहा जाता है कि प्राचीन समय में भरत जी, श्री राम जी के राज अभिषेक के लिए यह जल सभी पवित्र तीर्थों से इकट्ठा किए थे। मगर राम जी अयोध्या वापस नहीं लौटे, तो ऋषि अत्री के कहने पर भरत जी ने सभी पवित्र तीर्थों का जल कुएं में ही डाल दिए। इस कुएं के जल में सभी पवित्र तीर्थों का जल मिला हुआ है। इसलिए यह जल सबसे पवित्र है और यह जल मीठा है। इस जल में बीमारियों से लड़ने की शक्तियां भी है। आपको यहां पर चार भाइयों का मंदिर देखने के लिए मिलता है। इस मंदिर का नाम भी चार भाइयों का मंदिर ही है।

राष्ट्रवाद के राजनीतिक इस्तेमाल का विरोध करने वाले सच्चे देशप्रेमी : कमलनाथ

22 लाख युवा वोटर्स उखाड़ फेंकेंगे भाजपा सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 में पहली बार वोट डालने वाले 22 लाख नए और युवा वोटर्स निर्णायक भूमिका के होंगे। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर गुरुवार को इन मतदाताओं को साधने का प्रयास किया। उन्होंने लिखा कि 2023 के मप्र विधानसभा चुनाव में 18 से 19 साल के 22 लाख से ज्यादा युवा मतदाता पहली बार वोट डालेंगे। प्रतिशोध की जगह, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में विश्वास रखते हैं, राष्ट्रवाद के राजनीतिक इस्तेमाल का विरोध करने वाले और सही में सच्चे देश प्रेमी होते हैं, गुमराह करने वाले झूठे वादों से उनमें आक्रोश जन्म लेता है, जो आखिरकार परिवर्तन का आधार बनता है।

कांग्रेस इन 'फ़र्स्ट-टाइम वोटर्स' का अभिनंदन करते हुए आपसे अपील करती है कि अपने और अपने प्रदेश के भविष्य को सामने रखकर अपना वोट डालें। कमलनाथ ने पोस्ट किया कि प्रथम बार वोटिंग कर रहे युवाओं का ये आंकड़ा कांग्रेस के लिए बेहद उत्साहजनक है क्योंकि नये युवक-युवती कांग्रेस की तरह प्रगतिशील और भविष्योन्मुखी होते हैं , संकीर्ण सोच वालों की जगह आज़ाद ख़्याल के लोगों का साथ देते हैं, भेदभाव और झगड़ों से परे सौहार्द व मित्रता में विश्वास करते हैं। रूढ़िवादी सोच की जगह वैज्ञानिक-आधुनिक सोच के होते हैं, छल, कपट की जगह ईमानदारी और सच्चाई का साथ देते हैं, शोषण के खिलाफ़ एकजुट होकर उसका सामना करते हैं।

भाजपा, दलितों को उनका हक देना नहीं चाहती:सुरजेवाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। जातिगत जनगणना के मामले में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने भाजपा पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री जातिगत जनगणना के विरोधी है, क्योकि वे पिछड़ो, दलितों को उनका हक देना नहीं चाहते है। उनके इस विरोध से भाजप का ओबीसी विरोधी डीएनए बेनकाब हो गया। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह खुद पिछड़े वर्ग से आते है, लेकिन वे भी पिछड़े वर्ग को लेकर फैसले लेने से डरते है। भाजपा का लगता है कि

पिछड़ा वर्ग को उनकी संख्या पता चल जाएगी तो वह अपना हक मांगेगा। भाजपा इससे घबराती है। सुरजेवाला ने कहा कि मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में लिखकर दिया है कि जातिगत जनगणना नहीं करना उनकी सरकार का नीतिगत फैसला है। कांग्रेस की सरकार आएगी तो पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देगी। सुरजेवाला ने टिकटों की घोषणा को लेकर कहा कि अभी प्रदेश में 11 हजार किलोमीटर क्षेत्र में जन आक्रोश यात्रा निकाली जा रही है। उसमें सारे नेता व्यवस्त है। यात्रा समाप्त होने के बाद टिकटों की घोषणा होगी। स्क्रीनिंग कमेटी में उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया जारी है। कमेटी की दो से तीन बैठक और होगी।

दिग्गजों को नकार देगी जनता

सुरजेवाला ने कहा कि कैलाश विजयवर्गीय, नरेंद्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल ने मोदी दरबार में शिकायतें कर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का पत्ता कट करा दिया, लेकिन शिवराज सिंह चौहान ने भी उन नेताओं को विधानसभा के टिकट दिलवाकर मोदी दरबार से उनकी छुट्टी करा दी। अब उनके मंत्री पद भी जाएंगे। एक नंबर विधानसभा क्षेत्र से कैलाश विजयवर्गीय को उम्मीदवार बनाए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि बंगाल की जनता ने उन्हे खारिज कर दिया। दिल्ली ने भी उन्हें खारिज कर दिया और अब इंदौर की जनता भी उन्हें खारिज कर देगी।

सिक्किम में बचाव जारी 102 लोग अब भी लापता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली । उत्तरी सिक्किम में ल्होनक झील पर बादल फटने से तीस्ता नदी में अचानक बाढ़ आने के बाद से बचाव कार्य जारी है। अधिकारियों ने बताया कि सिक्किम में रात करीब डेढ़ बजे शुरू हुई बाढ़ की स्थिति चुंगथांग बांध से पानी छोड़े जाने के कारण और बदतर हो गई। सिक्कि म के मुख्य सचिव वीबी पाठक ने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों से आए 3,000 से अधिक पर्यटकों के राज्य के विभिन्न हिस्सों में फंसे होने की सूचना है।

ज्ञात हो इस घटना में कम से कम 14 लोगों की मौत की खबर है। वहीं 22 सैन्यकर्मी समेत करीब 102 लोग लापता बताए गए हैं, जिनकी खोज जारी है। सिक्किम की बिगड़ती स्थिति के बीच पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस गुरुवार सुबह ही सिक्किम के दार्जिलिंग पहुंचे। यहां उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। हालात बहुत चिंताजनक है। लोग पीड़ित हैं, अब भी अनिश्तिता है, हम देख रहे हैं कि जल्द से जल्द क्या निवारक उपाय किए जा सकते हैं। बाढ़ से पहले, बाढ़ के दौरान और बाढ़ के बाद कई चीजें हैं जो आदर्श रूप से की जानी चाहिए, हम उसके लिए तैयारी कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के हालात चिंताजनक : फारूक

» पूछा- क्यों नहीं कराए जा रहे चुनाव, गुलाम नबी और अल्ताफ बुखारी सरकारी दल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद फारूक अब्दुल्ला ने गुलाम नबी आजाद और अल्ताफ बुखारी पर निशाना साधा है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि दोनों नेताओं के दल सरकार के दल हैं। दरअसल,जम्मू में नेकां प्रमुख फारूक अब्दुल्ला के नेतृत्व में विपक्षी दलों की बैठक बुलाई गई थी, जिसमें गुलाम नबीं आजाद का दल प्रोग्रेसिव डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी और अल्ताफ बुखारी का दल जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी का कोई भी प्रतिनिधि शामिल नहीं हुआ।

दोनों पार्टियों का विपक्ष दल की बैठक में शामिल न होने को लेकर फारूक अब्दुल्ला से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि दोनों दल सरकार के दल हैं। साथ ही फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जो हालात इस समय प्रदेश के हैं वो चिंताजनक हैं। उन्होंने आरोप लगाया गया कि जम्मू कश्मीर में संविधान को निलंबित कर दिया गया है। उपराज्यपाल, गृहमंत्री, पीएम मोदी बार-बार ये कहते हैं कि

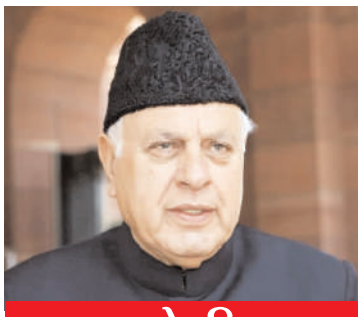

सरकार के खिलाफ करेंगे धरना-प्रदर्शन

फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि विपक्षी दलों की बैठक में जम्मू कश्मीर के मौजूदा हालातों पर चर्चा की गई और इसके बाद सभी ने मिलकर ये फैसला लिया है कि आगामी दस अक्टूबर को सरकार के खिलाफ शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

जम्मू कश्मीर रियासत सब सामान्य है तो फिर चुनाव क्यों नहीं कराए जा रहे। सांसद ने सवाल किया कि आखिर क्यों परिसीमन और मतदाता सूची बनने के बाद भी चुनाव नहीं कराए जा रहे हैं। गौरतलब है कि दिग्गज नेता गुलाम नबी आजाद ने पिछले साल कांग्रेस से अपना नाता तोड़ने के बाद जम्मू कश्मीर प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी का गठन किया था। वहीं, आजाद के उपराज्यपाल बनाए जाने की भी बात सामने आई, जिसे गुलाम नबीं ने खारिज कर दिया। वहीं, अल्ताफ बुखारी पीडीपी से जुड़े हुए थे। पीडीपी से अलग होने के बाद उन्होंने साल 2020 में जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी का गठन किया था। केंद्र सरकार ने जब अनुच्छेद 370 को हटाया तो वहां किसी भी तरह की हिंसा न होने पर वह मोदी सरकार की सराहना कर चुके हैं।

अमृतकाल में सच बोलना सबसे बड़ा अपराध : महबूबा मुफ्ती

महबूबा मुफ्ती ने न्यूज पोर्टल के आवासों पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की छापेमारी की निंदा की। उन्होंने कहा कि विपक्षी बैठक में इस पर भी चर्चा हुई और सभी ने इस कार्रवाई की निंदा की है। महबूबा ने कहा कि बहुत कम मीडिया घराने बचे हैं यहां सरकार से सवाल पूछे जा रहे हैं और सरकार उन्हें भी दबाने का प्रयास कर रही है। भाजपा पर हमला करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा ने कहा कि सरकार कहती है कि अमृतकाल चल रहा है। अमृत काल में सच बोलना सबसे बड़ा अपराध है। जो भी सरकार से सवाल करते हैं। बेरोजगारी और महंगाई की बात करते हैं, उन्हीं पर रेड की जा रही है। उन्होंने कहा कि उम्मीद एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया पर संज्ञान लें। उन्होंने कहा कि पहले को जम्मू कश्मीर में ही पत्रकारों के खिलाफ कार्रवाई कर रही थी, लेकिन अब पूरे देश में इस तरह की कार्रवाई हो रही हैं। बता दें कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मंगलवार सुबह ऑनलाइन पोर्टल न्यूजक्लिक और उसके पत्रकारों के परिसरों पर छापेमारी की है।

महिला तीरंदाजों ने छोड़े 'स्वर्णिम' तीर

» एशियाई खेलों में भारतीय महिला कंपाउंड टीम को स्वर्ण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हांगझोऊ। भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए गुरुवार को यहां रोमांचक फाइनल में चीनी ताइपे को एक अंक से हराकर एशियाई खेलों की तीरंदाजी प्रतियोगिता में दूसरा स्वर्ण पदक सुनिश्चित किया।

ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की शीर्ष वरीय गत विश्व चैंपियन टीम ने फाइनल में अंतिम चरण में 60 में से 60 अंक के परफेक्ट स्कोर के साथ चीनी ताइपे की तीसरी वरीय जोड़ी को 230-229 से हराया। भारत का

मौजूदा खेलों का तीरंदाजी में यह दूसरा स्वर्ण और कुल पांचवां पदक है। बुधवार को ज्योति और ओजस देवताले ने कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। भारत का एशियाई खेलों की तीरंदाजी प्रतियोगिता में यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। देश ने पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन इंचियोन में 2014 में किया था जब उसने एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीता था। देवताले और अभिषेक वर्मा पुरुष कंपाउंड वर्ग के फाइनल में जगह बनाकर भारत के लिए दो और पदक पक्के कर चुके हैं। ज्योति ने भी महिला कंपाउंड व्यक्तिगत फाइनल में जगह बनाकर पदक पक्का किया है। भारत ने इससे पहले सेमीफाइनल में चौथे वरीय इंडोनेशिया को 233-219 से हराया जबकि क्वार्टर फाइनल में हांगकांग के खिलाफ 231-220 की आसान जीत दर्ज की। रतीह जिलिजाती फादली, सयाहारा खोएरुनिसा और श्री रांती की मौजूदगी वाली इंडोनेशिया की टीम ने कजाखस्तान की मजबूत टीम को 232-229 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। भारतीय टीम ने इंडोनेशिया पर शुरुआत सेही दबाव बनाया और शुरुआती सेट में सभी छह तीर 10 अंक पर मारे। इंडोनेशिया की टीम 51 अंक ही जुटा सकी जिससे भारतीय टीम ने नौ अंक की बढ़त बनाई।

आयकर विभाग और ईडी की तीन राज्यों में हुई ताबड़तोड़ छापेमारी

बंगाल के खाद्य मंत्री रथिन घोष के घर पर पड़ी रेड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है। दोनों एजेंसी ने घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग के खिलाफ तीन राज्यों में ताबड़तोड़ छापेमारी की है। ईडी ने जहां बंगाल में भर्ती घोटाले में खाद्य मंत्री रथिन घोष के घर समेत 13 जगहों पर छापेमारी की, तो वहीं हैदराबाद और तमिलनाडु में आईटी विभाग ने कई जगहों पर छापेमारी की।

आईटी अधिकारियों की लगभग 100 टीमें हैदराबाद के उद्योगपतियों, व्यापारियों और ठेकेदारों के परिसरों की तलाशी ले रही है। इन सभी के घरों और दफ्तरों पर भी सुबह से ही तलाशी चल रही है। आयकर विभाग ने कुछ चिटफंड कंपनियों, वित्त कंपनियों और उनके निदेशकों पर भी छापे मारे। अधिकारी कथित तौर पर आयकर चोरी की शिकायतों की जांच कर रहे थे। वे वित्तीय लेनदेन के रिकॉर्ड की जांच कर रहे थे। कुकटपल्ली, अमीरपेट, शमशाबाद और जुबली हिल्स जैसे इलाकों में कुछ परिसरों में तलाशी चल रही है।

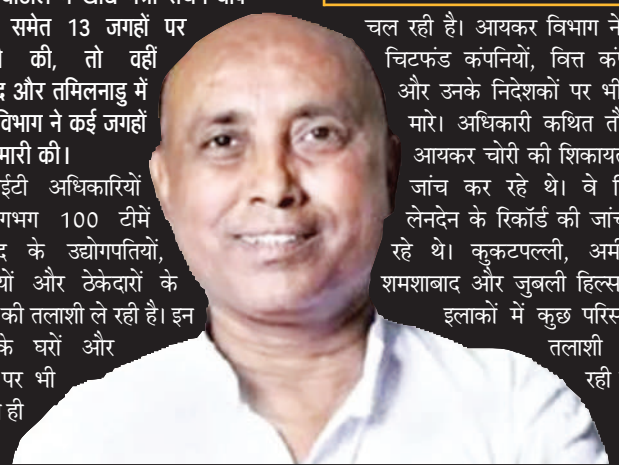

डीएमके सांसद के घर भी छापेमारी

आयकर विभाग तमिलनाडु में डीएमके सांसद एस जगतरक्षकन के परिसरों पर तलाशी ले रहा है। आयकर विभाग द्वारा 40 से अधिक स्थानों की तलाशी ली जा रही है।

यह परीक्षा की घड़ी है, और मजबूत होगी आप : संदीप

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी के एक दिन बाद पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सांसद संदीप पाठक ने बड़ा बयान दिया है, उन्होंने दावा किया है, आप के लिए यह परीक्षा की घड़ी है, आप मजबूत होकर उभरेगी। दिल्ली आबकारी मामला पिछले 15 महीने से चल रहा है। उन्होंने हजारों स्थानों पर छापे मारे और लोगों पर अत्याचार किया। कुछ भी सामने नहीं आया। आगे भी और कुछ भी सामने नहीं आएगा।

तानाशाही का अंत होगा : सौरभ भारद्वाज

सीएम अरविंद केजरीवाल सरकार में स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने गुरुवार को कहा कि देश में बोलने की आजादी छीनी जा रही है। पहले बीजेपी सरकार बहुत सारे नेताओं को जेल में डालेगी। इससे पहले भी कई तानाशाह आये और चले गए। वर्तमान तानाशाही का भी अंत होगा। भारद्वाज के मुताबिक आप नेता संजय सिंह ने लगातार अदाणी के मामले को उठा रहे थे।

कानपुर में तेल कारोबारी के 36 ठिकानों पर छापा

आयकर विभाग ने कानपुर सहित एक तेल कारोबारी के 36 ठिकानों पर छापेमारी की है। आयकर विभाग की 36 से अधिक टीमें कारोबारी के यहां दस्तावेज खंगाल रही हैं। कानपुर देहात सिविल लाइंस में कारोबारी के ठिकानों पर भारी पुलिस बल तैनात हैं। छापेमारी के संबंध में संबंधिति विभाग ने किसी भी तरह की जानकारी देने से इनकार किया है। करीब डेढ़ सौ से अधिक आयकर अफसरों ने कानपुर के सिविल लाइन, शक्करपट्टी समेत 20 और मध्य प्रदेश के 15 प्रतिष्ठानों पर एक साथ कार्रवाई की। कानपुर स्थित आवास ,कार्पोरेट कार्यालय ,फैक्टरी में कार्रवाई की गई। सुबह छह बजे से कार्रवाई जारी है। बता दें कि मयूर ग्रुप वनस्पति तेल, फूड आइटम्स और पैकेजिंग का काम करते हैं।

पेपर लीक माफिया के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई : पीएम मोदी

राजस्थान के कोने-कोने में विकास को पहुंचा कर रहेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी एक्टिव मोड में है। पीएम मोदी ने इसी सिलसिले में गुरुवार को जोधपुर में जनसभा की। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना भी साधा।

हम राजस्थान के कोने-कोने में विकास को पहुंचा कर रहेंगे। इसलिए राजस्थान कह रहा है- भाजपा आएगी, राजस्थान में खुशहाली लाएगी। चुनाव के समय बेरोजगारी भत्ते का वादा करने वाली कांग्रेस ने यहां के युवाओं को पेपर लीक माफिया के हवाले कर दिया। ऐसे हर पेपर लीक माफिया के खिलाफ भाजपा सरकार सख्त से सख्त कार्रवाई करेगी। जनसभा शुरू करने से पहले मोदी ने राजस्थान की जनता को करीब पांच हजार करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं की सौगात भी दी। मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, आज जोधपुर और मारवाड़ के लोगों को कई उपहार एक साथ मिले हैं। एक उपहार की तैयारी तो मैं पहले ही दिल्ली से करके आया हूं। कल ही भाजपा सरकार ने तय किया है कि अब उज्ज्वला की लाभार्थी बहनों को केंद्र सरकार की तरफ से गैस सिलेंडर सिर्फ 600 रुपये में मिलेगा।

गहलोत पर साधा निशाना

पीएम ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर सीधा हमला भी बोला। मोदी ने कहा, आज मैंने जोधपुर में विकास के अनेक कार्यक्रमों का शिलान्यास किया, लेकिन मुख्यमंत्री गायब थे, क्योंकि उन्हें भरोसा है कि मोदी आएगा तो सब ठीक हो जाएगा। मैं भी उन्हें कहता हूं कि आप विश्राम कीजीए अब हम संभाल लेंगे। मोदी ने रैली के दौरान चर्चित लाल डायरी का भी जिक्र किया। पीएम ने कहा कि आप सबने लाल डायरी के बारे में सुना है। लोग कहते हैं कि कांग्रेस के करप्शन की हर काली करतूत इस लाल डायरी में दर्ज है।

सेंसरबोर्ड घूस मामले में सीबीआई ने दर्ज किया केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सीबीआई ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन के खिलाफ फिल्म का सर्टिफिकेट देने के बदले घूस लेने के मामले में केस दर्ज किया है। तमिल एक्टर विशाल ने सीबीआई को शिकायत देकर आरोप लगाया था कि उनसे फिल्म के सर्टिफिकेट के लिए सितंबर 2023 में 7 लाख रुपए की घूस मांगी गई थी।

अब इस मामले में सीबीआई ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन के खिलाफ केस दर्ज किया है, एक्टर विशाल ने कहा था कि उन्होंने फिल्म के लिए सर्टिफिकेट के बदले बोर्ड को साढ़े 6 लाख रुपए दिए थे। इस मामले में सीबीआई ने केस दर्ज कर मुंबई समेत कई जगहों पर छापेमारी की और कई डिजिटल सबूत बरामद किए हैंसीबीआई ने 4 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है, जिसमे 3 प्राइवेट पर्सन और सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेटशन के अज्ञात अधिकारी शामिल हैं। बता दें कि मार्क एंटनी फिल्म के एक्टर विशाल ने सीबीएफसी मुंबई के अफसरों पर रिश्वत लेने का आरोप लगाया था।

पवन कल्याण ने छोड़ा एनडीए का साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमरावती। अभिनेता और नेता पवन कल्याण ने गुरुवार को भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए से बाहर निकलने और टीडीपी का समर्थन करने का एलान किया है। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश को विकास के लिए जनसेना और टीडीपी की जरूरत है। जनसेना के प्रमुख ने कहा, टीडीपी एक मजबूत पार्टी है और आंध्र प्रदेश को सुशासन और विकास के लिए तेलुगु देशम पार्टी की जरूरत है।

आज टीडीपी संघर्ष कर रही है, और हम उनके साथ है। इस स्थिति में टीडीपी को जनसैनिकों के युवाओं की जरूरत है।

जनसेना करेगी टीडीपी का समर्थन

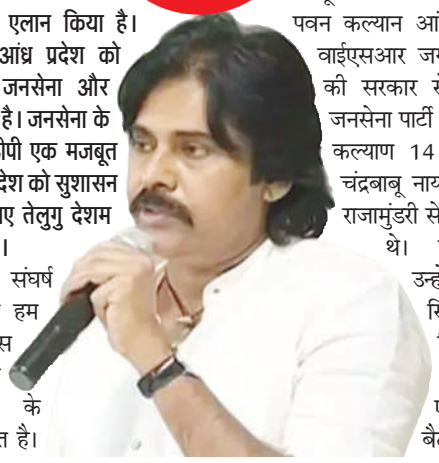

उन्होंने आगे कहा, अगर टीडीपी और जनसेना हाथ मिला लें तो राज्य में वाईएसआरसीपी की सरकार डूब जाएगी। चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी के बाद से पवन कल्यान आंध्र प्रदेश की वाईएसआर जगनमोहन रेड्डी की सरकार से खफा हैं। जनसेना पार्टी के नेता पवन कल्याण 14 सितंबर को चंद्रबाबू नायडू से मिलने राजामुंडरी सेंट्रल जेल गए थे। इसके बाद उन्होंने 18 सितंबर को दिल्ली में आयोजित एनडीए भी बैठक में भी हिस्सा लिए थे। इस बैठक में पवन कल्याण ने कहा था कि वह भाजपा का समर्थन करेंगे। पूरी बैठक बहुत अच्छी रही। इस दौरान आत्मनिर्भर भारत पर चर्चा किया गया। अपने पार्टी की तरफ से मैंने पीएम को वादा किया है कि हम उनके साथ खड़े हैं। पवन कल्याण ने आंध्र प्रदेश में वाईएसआरसीपी सरकार से लड़ने के लिए अपनी पार्टी, एनडीए और टीडीपी को एक साथ खड़े होने का प्रस्ताव भी रखा था। लेकिन अब उन्होंने एनडीए का साथ छोड़ने का फैसला कर लिया है। साल 2019 में हुए चुनाव में पवन कल्याण की जनसेना पार्टी 5.6 फीसदी वोट शेयर के साथ केवल एक सीट जीती थी, जबकि टीडीपी ने 39.7 वोट शेयर के साथ 23 सीटें जीतने में कामयाब हो पाई थी। वहीं वाईएसआरसीपी ने 50.6 वोट शेयर के साथ 151 सीटें हासिल की थी।

डॉ. कफील खान ने शाहरुख खान का जताया आभार

फिल्म जवान में गोरखपुर में बच्चों की मौत का मामला उठाने पर दिया धन्यवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2017 में उत्तर प्रदेश में अस्पताल में हुई मौत मामले में सुर्खियां बटोरने वाले डॉ कफील खान ने सुपरस्टार शाहरुख खान को उनकी फिल्म जवान के लिए धन्यवाद नोट लिखा है। उन्होंने अपने पत्र के बारे में खुद खुलासा किया

उन्होंने दावा किया कि यह फिल्म गोरखपुर में हुई मौत वाली घटना से मेल खाती है, जिसके कारण उन्हें बर्खास्त कर दिया गया था, सुपरस्टार के बांद्रा घर मन्नत के पते वाले पत्र में कहा गया है, महत्वपूर्ण सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों को संबोधित करने के साधन के रूप में सिनेमा का उपयोग करने के लिए

आपकी असाधारण प्रतिबद्धता के लिए मैं सराहना करने के लिए मजबूर महसूस कर रहा हूं। इस पत्र में कफील खान ने लिखा, आशा की किरण बनने के लिए एक बार फिर धन्यवाद, साल 2017 में गोरखपुर के एक अस्पताल में ऑक्सीजन की आपूर्ति खत्म होने के कारण 63 बच्चों की मौत के बाद बाल रोग विशेषज्ञ को निलंबित कर दिया गया था। उन्हें गिरफ्तार किया गया और जेल में डाल दिया गया, डॉ. खान ने दावा किया था कि उन्हें सभी प्रमुख आरोपों से बरी कर दिया गया है।

उत्तराखंड में जल्द लागू हो सकता है यूसीसी

शाह से मिले धामी और ड्राफ्टिंग कमेटी के सदस्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तराखंड में जल्द ही कॉमन सिविल कोड लागू हो सकता है। बीती रात केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ उत्तराखंड यूसीसी ड्राफ्टिंग कमेटी के सदस्यों की बैठक हुई है, बैठक में यूसीसी की फाइनल रिपोर्ट और उसे लागू करने को लेकर चर्चा हुई है।

उत्तराखंड यूसीसी ड्राफ्टिंग कमेटी की रिपोर्ट अगले 15 दिनों के भीतर सौंपी जा सकती है, इसके बाद इसे विधानसभा में रखा जायेगा और कानून की शक्ल देने की प्रक्रिया की जाएगी। उत्तराखंड की तर्ज पर ही देश का कॉमन सिविल कोड लागू हो सकता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 7 अक्टूबर को उत्तराखंड का दौरा भी करने वाले हैं। बीजेपी के उत्तराखंड के मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 7 अक्टूबर को शाम 5 बजे से रात 8 बजे तक राज्य मुख्यालय में रहेंगे। इस दौरान वह संगठन पदाधिकारियों के साथ तीन बैठकें करेंगे, जिसमें चुनावी तैयारी और रणनीति पर चर्चा होगी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।